रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, बुधवार 22 जनवरी 2025, वर्ष 10, अंक 369 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

सीएम हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

The Narcotic Drugs And Psychotropic Substances Act, 1985 के अन्तर्गत दर्ज वादों को संज्ञान लेने एवं त्वरित निष्पादन के लिए विचारण हेतु चतरा में जिला न्यायाधीश स्तर के 01 (एक) विशेष न्यायालय के गठन की स्वीकृति दी गई। श्री गेब्रियल किड़ो, सेवानिवृत कार्यपालक अभियंता (चालू प्रभार), जलपथ प्रमण्डल संख्या-02, हजारीबाग को स्वतंत्र चालू प्रभार के तहत् सहायक अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता के पद पर कार्यरत अवधि के वेतन का अन्तर राशि के भुगतान की स्वीकृति दी गई।

राज्य के चिकित्सा महाविद्यालय अस्पतालों, सदर अस्पतालों, अनुमण्डलीय अस्पतालों/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु वरीय अस्पताल प्रबंधक, अस्पताल प्रबंधक, वित्तीय प्रबंधक एवं आई०टी० एक्सक्युटिव का पद सृजन की स्वीकृति दी गई।

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की अधिसूचना संख्या-02 दिनांक 01.01.2022 एवं अधिसूचना संख्या-7350 दिनांक-29.12.2023 के द्वारा श्री कमलेश्वर कान्त वर्मा की प्रबंध निदेशक, झारखण्ड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड, राँची के पद पर 03 वर्षों अथवा अगले आदेश तक, जो पहले हो, के लिए नियुक्त करने संबंधी शर्त को कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की अधिसूचना संख्या-8408 दिनांक-31.12.2024 के द्वारा संशोधित करते हुए उक्त के स्थान पर 04 वर्षों के लिए (दिनांक-31.12.2025 तक) अथवा अगले आदेश तक, जो पहले हो, किया गया है, पर घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।

माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर वाद संख्या-WPS No. 2678/2017, नन्द किशोर प्रसाद बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य तथा LPA No. 650/2017 झारखण्ड सरकार एवं अन्य बनाम नन्द किशोर प्रसाद में पारित आदेश के अनुपालन के क्रम में श्री नन्द किशोर प्रसाद को विभागीय लेखा परीक्षा द्वितीय पत्र में अंतिम स्तर से उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता को क्षांत करते हुए देय ACP/MACP का वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई।

माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर वाद संख्या-WPS No. 3754/2021, प्रेम कुमार बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य में पारित आदेश के अनुपालन के क्रम में श्री प्रेम कुमार की सेवा नियमित करते हुए उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई।

माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर वाद संख्या-WPS No. 1266/2022, उर्मिला सिंह बनाम झारखण्ड सरकार एवं अन्य तथा उक्त से उद्भूत अवमाननावाद संख्या Cont. Case (Civil) No. 754/2024 में पारित आदेश के अनुपालन के क्रम में स्व० राज किशोर सिंह की सेवा नियमित करते हुए उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई।

CT-MIS परियोजना के अधीन कार्यरत परामर्शी सर्वश्री TCS को एक वर्ष यथा- 01.10.2024 से 30.09.2025 तक की अवधि के लिए वित्त नियमावली के नियम-235 के प्रावधानों को नियम-245 के अधीन क्षांत करते हुए मनोनयन के आधार पर अवधि विस्तार की स्वीकृति दी गई।

उच्च कुशलता प्राप्त प्रोफेशनल को संविदा के आधार पर सलाहकार-सह-विशेष सचिव के रूप में नियोजित करने संबंधी संकल्प संख्या-8598 दिनांक 29.09.2015 को निरस्त करने की स्वीकृति दी गई।

श्रीमती कुमकुम प्रसाद, झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-724/03), तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, तमाड़, राँची के विरूद्ध विभागीय संकल्प सं0-25257 (HRMS), दिनांक 19.04.2024 द्वारा अधिरोपित असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक के दण्ड को विलोपित करने की स्वीकृति दी गई।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 में यथा-माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के स्तर पर गठित झारखण्ड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति के अंतर्गत निबंधित अधिवक्ताओं को (1) स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने हेतु रू0 6,000/- (छह हजार रूपये मात्र) वार्षिक प्रिमियम के रूप में कुल अनुदान राशि रू0 9,00,00,000/- (नौ करोड़ रूपये मात्र) का भुगतान किये जाने हेतु, (2) 65 वर्ष से अधिक उम्र के अधिवक्ता लाइसेंस प्रत्यर्पित करने वाले इच्छुक अधिवक्तागण को पेंशन के रूप में प्रतिमाह रू0 7,000/- (सात हजार रूपये मात्र) रूपये की दर से कुल रू0 1,60,00,000/- (एक करोड़ साठ लाख रूपये मात्र) का अनुदान राशि भुगतान करने हेतु एवं (3) नए अधिवक्तागणों को प्रथम 03 (तीन) वर्ष की अवधि के दौरान वृत्तिका भत्ता के रूप में रू0 5000/- (पाँच हजार रूपया मात्र) प्रतिमाह की दर से (50 प्रतिशत की समतुल्य राशि राज्य सरकार की ओर से प्रदान किये जाने हेतु) कुल अनुदान राशि रू० 1,50,00,000/- (एक करोड़ पचास लाख रूपये मात्र) अर्थात कुल रू0 12,10,00,000/- (बारह करोड़ दस लाख रूपये मात्र) का उपबंध झारखंड राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में कराने की स्वीकृति दी गई।

केंद्र सरकार ने पंजाब के किसान नेताओं को 14 फरवरी को बातचीत के लिए बुलाया

वॉशिंगटन डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार, 20 जनवरी को अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली। ट्रम्प ने सत्ता संभालते ही देश से लेकर विदेश तक अमेरिकी नीतियों में कई बड़े बदलाव लाने की बात कही। उन्होंने शपथ लेने के सिर्फ 6 घंटे के अंदर ही बाइडेन के 78 फैसलों को पलट दिया है। इसमें अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने, बच्चों की नागरिकता खत्म करने, WHO और पेरिस जलवायु समझौता से अमेरिका को बाहर निकालने जैसे फैसले हैं। ट्रम्प ने सोमवार को शपथ लेने के बाद कई एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर दस्तखत किए। **ट्रम्प के पहले भाषण में 15 ऐलान...**

1. जन्मजात नागरिकता को खत्म करने का ऐलान ट्रम्प ने जन्मजात नागरिकता को खत्म करने का फैसला किया है। उन्होंने उन माता-पिता के बच्चों को जन्मजात नागरिकता देने से इनकार करने का आदेश दिया है जो अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे हैं या फिर अस्थायी वीजा लेकर रह रहे हैं। ट्रम्प ने इस आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन का समय दिया है। ट्रम्प का ये आदेश अमेरिका बच्चों को मिलने वाले जन्मजात नागरिकता के अधिकार को चुनौती देता है। अमेरिकी संविधान का 14वां संशोधन बच्चों को जन्मजात नागरिकता की गारंटी देता है। अमेरिका में यह कानून 150 साल से लागू है।

छत्तीसगढ़ में 20 नक्सलियों के एनकाउंटर, 15 के शव मिले:1 करोड़ का इनामी भी मारा गया

गरियाबंद जिले के भालू डिग्गी जंगल में मुठभेड़ हुई। यह इलाका ओडिशा बॉर्डर पर है छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में फोर्स ने 20 नक्सलियों का एनकाउंटर कर दिया है। इनमें से 15 के शव और हथियार मिल चुके हैं। इसमें 1 करोड़ का इनामी जयराम उर्फ चलपति भी मारा गया है। रविवार की रात मुठभेड़ शुरू हुई। मंगलवार की सुबह नक्सलियों को मारने की बड़ी खबर आई। मुठभेड़ अभी खत्म नहीं हुई है। जवानों की कामयाबी पर केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि देश में नक्सलवाद अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर स्थित भालू डिग्गी के जंगल में 1000 जवानों ने करीब 60 नक्सलियों को घेर रखा है। बैकअप पार्टी भेजी गई है और ड्रोन से नजर रखी जा रही है। पहले फोर्स का 15-20 किमी का घेरा था, अब नक्सली 3 किमी में सिमट गए हैं। सभी 60 नक्सलियों के मारे जाने की संभावना है। वहीं, एक जवान घायल हुआ हैं, जिसे एयरलिफ्ट करके रायपुर लाया गया। SOG (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) जवान के पैर में गोली लगी है। गरियाबंद SP निखिल राखेचा, ओडिशा के नुआपाड़ा SP राघवेंद्र गूंडाला, ओडिशा DIG नक्सल ऑपरेशन अखिलेश्वर सिंह और कोबरा कमांडेंट डीएस कथैत ऑपरेशन की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

सर्चिंग पर निकले जवानों पर किया हमला

छत्तीसगढ़ और ओडिशा की ओर से जॉइंट ऑपरेशन चलाया गया था। इसमें 10 टीमें एक साथ निकली थीं। 3 टीम ओडिशा से, 2 टीम छत्तीसगढ़ पुलिस से और 5 CRPF टीम इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जवान क्षेत्र में सर्चिंग अभियान पर निकले थे, तभी नक्सलियों ने उन पर हमला किया। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मैनपुर पहुंच गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से भाटीगढ़ स्टेडियम को छावनी में तब्दील कर दिया है। इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। वहीं, 3 IED भी बरामद किए थे।

एक नजर

कोटा में आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति ने अपने सुसाइड नोट में लिखा था कि :-

"मैं भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से कहना चाहती हूं कि अगर वो चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे तो जितनी जल्दी हो सके इन कोचिंग संस्थानों को बंद करवा दें, ये कोचिंग छात्रों को खोखला कर देते हैं। पढ़ने का इतना दबाव होता है कि बच्चे बोझ तले दब जाते हैं। कृति ने लिखा है कि वो कोटा में कई छात्रों को डिप्रेशन और स्ट्रेस से बाहर निकालकर सुसाईड करने से रोकने में सफल हुई लेकिन खुद को नहीं रोक सकी। बहुत लोगों को विश्वास नहीं होगा कि मेरे जैसी लड़की जिसके 90+ मार्क्स हो वो सुसाइड भी कर सकती है, लेकिन मैं आपलोगों को समझा नहीं सकती कि मेरे दिमाग और दिल में कितनी नफरत भरी है। अपनी मां के लिए उसने लिखा- "आपने मेरे बचपन और बच्चा होने का फायदा उठाया और मुझे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर करती रहीं। मैं भी विज्ञान पढ़ती रहीं ताकि आपको खुश रख सकूं। *मैं क्वांटम फिजिक्स और एस्ट्रोफिजिक्स जैसे विषयों को पसंद करने लगी और उसमें ही बीएससी करना चाहती थी लेकिन मैं आपको बता दूं कि मुझे आज भी अंग्रेजी साहित्य और इतिहास बहुत अच्छा लगता है।

IAS पूजा सिंघल का निलंबन खत्म, इस विभाग में योगदान देने का निर्देश

रांची: राज्य सरकार ने IAS पूजा सिंघल का निलंबन खत्म कर दिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने उन्हें निलंबन से मुक्त करने की अनुशंसा की थी। इस अनुशंसा पर पूजा सिंघल का निलंबन कार्मिक ने खत्म कर दिया। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक, सुधार तथा राजभाषा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। उन्हें कार्मिक में योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

यहां याद दिला दें कि बीते सात दिसंबर 2024 को पूजा सिंघल को 28 महीनों बाद बड़ी राहत मिली थी। झारखंड की PLMA कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। कोर्ट ने उन्हें दो-दो लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। इसी के साथ उन्हें अपना पासपोर्ट जमा कराने के लिए भी कहा गया था। ED ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 11 मई 2022 में गिरफ्तार किया था। ED ने छह मई 2022 को उनके ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा के सीए सुमन कुमार के आवास और कार्यालय से 19 करोड़ 31 लाख रुपये की नकद बरामद किया गया था।

"जय श्रीराम! रामलला प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूरे होने पर हार्दिक शुभकामनाएं।

*भगवान राम का आशीर्वाद सभी पर बना रहे।' * 22 जनवरी रामलला प्राण प्रतिष्ठा का एक वर्ष पूरा January 22 2025 22 जनवरी एक ऐतिहासिक तारीख है, जिसे राम भक्त कभी नहीं भूल सकते। यही वह दिन था जब 2024 में अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। उस दिन राम भक्तों के बीच खुशी और उल्लास का माहौल था। भगवान रामलला की अद्भुत बाल रूप की प्रतिमा ने हर किसी का मन मोह लिया था। ऐसा लगा मानो स्वयं भगवान साक्षात दर्शन दे रहे हों। इस साल, 22 जनवरी 2025 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का एक साल पूरा होगा।* ***11 जनवरी को मनाई गई पहली वर्षगांठ*** *हालांकि, 22 जनवरी को रामलला प्राण प्रतिष्ठा दिवस नहीं मनाया जाएगा। यह पहले ही 11 जनवरी 2025 को 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के रूप में मनाया जा चुका है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के निर्णय के अनुसार, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव हिंदू त्योहारों की तरह हिंदू पंचांग के अनुसार मनाया जाएगा। जैसे दिवाली, होली, जन्माष्टमी आदि विशेष तिथियों पर मनाए जाते हैं, वैसे ही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की सालगिरह भी पौष शुक्ल पक्ष की द्वादशी को मनाई जाएगी। इस बार यह तिथि 11 जनवरी 2025 को थी, इसलिए प्रतिष्ठा द्वादशी का उत्सव उसी दिन मनाया गया।* ***22 जनवरी को भी होगी खास तैयारी*** *हालांकि 22 जनवरी अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस विशेष दिन की पहली वर्षगांठ है। इस दिन भी उत्सव को लेकर तैयारियां चल रही हैं। राम भक्त इस दिन को विशेष तरीके से मनाने की योजना बना रहे हैं। 22 जनवरी का यह दिन राम भक्तों के लिए गर्व और उत्साह का प्रतीक है।*

भारत के खिलाफ मुस्लिम देशों से मदद लेने वाला है बांग्लादेश, दगाबाजी शुरू

नई दिल्ली: बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार का समर्थन करने वाले इस्लामवादियों ने एक राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत अपनाने का आह्वान किया है। इस सिद्धांत से सेना को भारतीय सेना का मुकाबला करने का अधिकार मिलेगा। यह जानकारी सूत्रों से मिली है। यह मामला बांग्लादेश की राजनीति से जुड़ा है और हाल ही में हुए घटनाक्रमों का नतीजा है। इसमें इस्लामवादी, सेना, भारत और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भूमिका है। **क्या चाहते हैं बांग्लादेश के इस्लामपंथी?** इस्लामपंथियों ने एक ऐसे सैन्य नेतृत्व की मांग की है जो स्वतंत्र हो और भारत द्वारा कंट्रोल न हो। बांग्लादेश के दैनिक अखबार 'अमर देश' के संपादक महमूदुर रहमान ने हाल ही में एक सार्वजनिक मंच पर यह बात कही। सूत्रों का कहना है कि रहमान की टिप्पणी

इस्लामवादियों के विचारों को दर्शाती है। रहमान ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगुवाई वाली अवामी लीग पर सेना के नेतृत्व को कमजोर करने का आरोप लगाया। हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से रहमान अवामी लीग के खिलाफ मुखर रहे हैं। वे अवामी लीग की स्टूडेंट विंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी कर रहे हैं।

अब हाई कोर्ट में एड हॉक जज सुनाएंगे फैसले?

नई दिल्ली: *देश के उच्च न्यायालयों में लंबित मुकदमों का पहाड़ खड़ा है। जजों की कमी इसका एक बड़ा कारण है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम बात कही। उसने कहा कि अब हाई कोर्ट्स में जरूरत पड़ने पर अस्थायी जज नियुक्त किए जा सकते हैं। इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 224A का इस्तेमाल होगा। ये अस्थायी जज, हाई कोर्ट के स्थायी जज के साथ मिलकर आपराधिक अपीलों पर फैसला करेंगे। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने यह बात कही। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालयों में बहुत सारी आपराधिक अपीलें लंबित हैं। हर जज पर बहुत ज्यादा केस हैं। इसलिए 2021 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले में बदलाव जरूरी है। इस बदलाव से अस्थायी जजों की नियुक्ति का रास्ता साफ होगा। कई अपराधी जेल में अपील का इंतजार कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों के लंबित होने पर चिंता जताई है। इलाहाबाद हाई कोर्ट में 2000 से 2021 के बीच कितने केस आए और कितने निपटाए गए, इस पर गौर किया गया। इससे पता चला कि एक नई अपील का फैसला आने में औसतन 35 साल लगेंगे क्योंकि 21 साल में 1.7 लाख अपीलें आईं, लेकिन सिर्फ 31 मामलों का निपटारा हुआ।*

महाकुंभ में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और पीएम का लगाएंगे आस्था की डुबकी, जानिए कौन कब पहुंचेगा

नई दिल्ली: यूपी के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में तमाम बड़े नेता और हस्तियां पहुंच रही हैं। महाकुंभ में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री भी जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक फरवरी को महाकुंभ पहुंचेंगे। इसके अलावा पीएम मोदी 5 फरवरी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 10 फरवरी को कुंभ पहुंचेंगी।

दिल्ली में वोटिंग वाले दिन महाकुंभ पहुंचेंगे पीएम

प्रयागराज महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी 5 फरवरी को पहुंचेंगे। उसी दिन दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट भी डाले जाएंगे। इसलिए, प्रयाग से 'इंद्रप्रस्थ' साधने पर भी नजर होगी। पीएम पिछले महीने 13 दिसंबर को भी प्रयाग आए थे और महाकुंभ की तैयारियों और प्रयागराज के विकास से जुड़ी 5000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण किया था। इसके बाद भी मोदी महाकुंभ के प्रमुख आयोजनों और स्नान के दिन सक्रिय रहे हैं। वहीं गृहमंत्री अमित शाह 27 जनवरी को महाकुंभ का दौरा करेंगे। **राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति भी जाएंगे कुंभ**

पीएम मोदी के अलावा देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी महाकुंभ

की साक्षी बनेंगी। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति 10 फरवरी को प्रयागराज पहुंचेंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी महाकुंभ पहुंचकर संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे। धनखड़ एक फरवरी को पवित्र स्नान करेंगे। **करीब 9 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में पवित्र डुबकी लगाई** प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर आज 15.97 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाई। यूपी सरकार के अनुसार अब तक 8.81 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु महाकुंभ पहुंच चुके हैं।

किस चमत्कारी चीज में अमेरिका कंगाल...भारत-चीन मालामाल

नई दिल्ली: अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वह डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को खरीदना चाहते हैं। उन्होंने अपनी मंशा के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया था। मिसाइल रक्षा और समुद्री व्यापार दोनों को देखते हुए ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए एक रणनीतिक स्थान पर स्थित है, जोआर्कटिक समुद्री बर्फ के पिघलने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के कारण और भी महत्वपूर्ण हो चुका है। हालांकि, ट्रंप की मंशा के पीछे ग्रीनलैंड में महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के भंडार का होना है, जिस वजह से अमेरिका, चीन समेत दुनियाभर की कंपनियां ललचा रही हैं। ये तत्व इलेक्ट्रॉनिक्स और बैटरी जैसे ग्रीन मॉडर्न टेक्नोलॉजी की रीढ़ हैं, ऐसे में इस खजाने के लिए अमेरिका, चीन, रूस और भारत समेत पूरी दुनिया में होड़ मची है। जानते हैं-क्या है ये तत्व और ये आज की जरूरत क्यों बने हुए हैं?

ग्रीनलैंड के पीछे क्यों पागल है अमेरिका

यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (USGS) के आंकड़ों के अनुसार, ग्रीनलैंड में दुनिया में दुर्लभ पृथ्वी का आठवां सबसे बड़ा भंडार है, जो 15 लाख टन है। यह अमेरिका के ज्ञात भंडार (18 लाख टन) के तकरीबन बराबर है। यूएसजीएस डेटा यह भी दर्शाता है कि 2023 में ग्रीनलैंड में दुर्लभ पृथ्वी तत्व के लिए कोई खनन नहीं किया गया। हालांकि, ग्रीनलैंडिक कंपनियों ने शुरू में खनन में निवेश के लिए चीन का रुख किया था, लेकिन 2021 के ग्रीनलैंड में चुनावों के बाद ये परियोजनाएं ठप हो गईं। **इन वजहों से ग्रीनलैंड में खनन रोक दिया गया** ग्रीनलैंड के वोटरों ने यह फैसला किया कि ग्रीनलैंड में विदेशी कंपनियों के खनन से आर्थिक विकास और यहां तक कि डेनमार्क से स्वतंत्रता की दिशा में एक कदम हो सकता है। हालांकि, लोगों को यह भी डर था कि

रेडियोधर्मी यूरेनियम के पास पाए जाने वाले इस रेयर अर्थ के खनन से आस-पास के समुदायों और कृषि भूमि पर रेडियोधर्मी धूल गिरेगी। उसी वक्त से परियोजनाओं को रोक दिया गया। दुर्लभ मृदा तत्व (REE) आवर्त सारणी के 17 धातु तत्वों का एक समूह है। इनमें से 15 तत्व लैंथेनाइड्स हैं और बाकी दो तत्व यिट्रियम और स्कैंडियम हैं। ये तत्व हरित अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अहम हैं। इन तत्वों में असामान्य फ्लोरोसेंट, चालकता, और चुंबकीय गुण होते हैं।

लोदना क्षेत्र के 6 नं0 स्थित एनटी/ एसटी/ वे- ब्रिज नव भवन का उद्घाटन

तिसरा,मंगलवार। लोदना क्षेत्र के 6 नं० स्थित एनटी/एसटी/ वे-ब्रिज नव भवन अन्य जरूरत कमरे बनाए गए हैं। जिसका विधिवत उद्घाटन प्रबंधक श्री अजय विश्वकर्मा के द्वारा फिता काटकर किया गया। इसके पश्चात पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड कर प्रसाद वितरण किया गया। उक्त अवसर पर नोडल अधिकारी (ई &एम) श्री रविशंकर प्रसाद , वे-ब्रिज प्रभारी उमा शंकर शाही, विक्रम सिंह, बिक्रम रवानी राजेश शर्मा, बंटी सिंह, अनिमेष सिंह दिलीप सिंह, गौतम सिंह , संजीत सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित थे। वे-ब्रिज के चालू होने से स्थानीय ट्रक लोडिंग पॉइंट के मजदूरों, डी-ओ होल्डर्स को काफी सहुलियत होगी। खास कर ट्रक लोडिंग में लगे सैकडों मजदूरों को व अन्य लोगों में खुशी का माहौल दीख रहा हैं ।

पुलिस संबंधित जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन कल

पुलिस मुख्यालय झारखण्ड, राँची के निर्देशानुसार नागरिकों के शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निवारण तथा पुलिस एवं नागरिकों के बीच अविश्वास एवं दूरी को समाप्त करने के उद्देश्य से बुधवार (22 जनवरी 2025) को आमजनों के शिकायतों के निवारण हेतु "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" का आयोजन किया गया है।

चंदनकियारी थाना, पिण्ड्राजोरा थाना, चास थाना, महिला थाना-चास, बरमसिया ओ०पी०. अमलाबाद ओ०पी०, भोजूडीह ओ०पी०, चन्द्रपुरा थाना, बोकारो झरिया, दुग्धा थाना, बालीडीह थाना, बालीडीह ओ०पी०, माराफारी थाना, सिटी थाना, सेक्टर-4 थाना एवं सेक्टर-6 थाना क्षेत्र के आमजन को पुलिस से संबंधित कोई शिकायत एवं अन्य प्रकार के शिकायत हो तो, उसपर त्वरित निष्पादन/निवारण हेतु आइ.टी.आइ कैम्पस पिण्ड्राजोरा, डी.वी.सी. प्लस टू हाईस्कूल चन्द्रपुरा, सेक्टर-टू डी कला केन्द्र बोकारो एवं मध्य विद्यालय सीवनडीह माराफारी में उक्त निर्धारित तिथि पर आयोजित "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" में उपस्थित होकर अपनी बात रख सकते हैं।

साथ ही, दूरभाष संख्या 9470947322 तथा ई०मेल आई०डी० jansikayat-bokaro@jhpolice.gov.in के जरिये भी अपनी शिकायत/ समस्या दर्ज करा सकते हैं। मामले पर सुनवाई करते हुए विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उक्त जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय बोकारो द्वारा दी गई है।

JEE MAIN EXAM को लेकर 300 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गई

रांची। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित (JEE Main) Exam 2025 दिनांक 22.01.2025, 23.01. 2025, 24.01.2025, 28.01.2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 को प्रथम पाली में 09:00 बजे पूर्वाह्न से 12:00 बजे मध्याह्न तक एवं द्वितीय पाली में 03:00 बजे अपराह्न से 06:00 बजे अपराह्न तक विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर निर्धारित है।

इन परीक्षा केन्द्रों पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने एवं विधि-व्यवस्था संधारण हेतु उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, राँची एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची द्वारा पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। परीक्षा में संलग्न छात्र, उनके अभिभावक अथवा असामाजिक तत्व परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ लगाकर विधि-व्यवस्था भंग करने की चेष्टा कर सकते हैं। इस आशंका के मद्देनजर अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर, राँची द्वारा BNSS की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन परीक्षा केन्द्रों के 300 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गई है, जो निम्न प्रकार हैः-

1- पाँच या पाँच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों / कर्मचारियों तथा सरकारी कार्यक्रम एवं शवयात्रा को छोड़कर)।

2- किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करना।

3- परीक्षा केन्द्रों के 300 मीटर की परिधि में साईबर कैफे, फोटो कॉपी एवं प्रिंटिंग की दुकानें परीक्षा के दिनों में बंद रखना सुनिश्चित करेंगे।

4- किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, जैसे-बंदूक, राईफल, रिवाल्वर, बम, बारूद आदिलेकर चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों/कर्मचारियों को छोड़कर)।

5-किसी प्रकार का हर वेहथियार जैसे-लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला आदि लेकर चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों / कर्मचारियों को छोड़कर)।

6- किसी प्रकार की बैठक या आमसभा का आयोजन करना। यह निषेधाज्ञा दिनांक 22.01.2025, 23.01.2025, 24.01.2025, 28.01. 2025, 29.01.2025 एवं 30.01.2025 के प्रातः 06:00 बजे से अपराह्न 09:00 बजे तक प्रभावी रहेगा। परीक्षा केंद्रों के नामः- 1. Oxford Public School, Ranchi, Old HB Road, Pargati Panth, Ranchi 2. Arunuma Technical Services Private Limited, Pragati Path, Road No-6 Samlong, Lower Chutia, Near Ganesh Nursing Home, Ranchi 3. Future Bright, Deep Vihar, Pundag Raod Argora, Near Pearl Crest Apartment, Ranchi

नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये 21 (इक्कीस) I.E.D बरामद

चाईबासा। प्रतिबंधित भा०क०पा० (माओ०) नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है, जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 BN, 203 BN, 205 BN, झारखण्ड जगुआर एवं सी०आर०पी०एफ० 60 BN, 197 BN, 157 BN, 174 BN, 193 BN, 134 BN, 26 BN, 11 BN की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसी क्रम में पोड़ाहाट क्षेत्र में आसूचना के आधार पर अभियान संचालित किया जा रहा था। नक्सली दस्ता के भ्रमणशील होने की सूचना थी और उसके विरूद्ध में अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान आज दिनांक 21.01.2025 को कराईकेला थानान्तर्गत ग्राम सेरेंगदा के कुचा टोला के आस-पास जंगली / पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये 21 (इक्कीस) I.E.D बरामद कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से विनिष्ट किया गया है। साथ ही 01 (एक) पुराने नक्सली डम्प को सुरक्षा बलों के द्वारा ध्वस्त किया गया। उक्त नक्सली डम्प से निम्नलिखित सामग्री बरामद की गयी है।

सिंदरी थाना और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर अन्दर बाजार शहरपुरा में बैठक आयोजित, सीसीटीवी लगाने और प्रकाश व्यवस्था पर जोर

धनबाद। सिंदरी, सिंदरी थाना परिसर में थाना अध्यक्ष की अध्यक्षता में स्थानीय दुकानदारों और चेंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना और दुकानदारों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाना था।

बैठक के दौरान थाना अध्यक्ष श्री संजय कुमार ने दुकानदारों से आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य रूप से लगवाएं, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे न केवल अपराधों की रोकथाम में सहायक होंगे, बल्कि किसी भी घटना के मामले में अपराधियों की पहचान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अभी थाना द्वारा सभी ज्वेलरी शॉप पर एक कर कोड लगाया गया है जिस रात का गश्ती दल उसे कर कोड पर जाकर जो ऑफिसर ग्रास्टिकल को लीड करते हैं वह वहां से फोटो लेकर और खुद का भी फोटो उसमें जोड़कर खाना इंचार्ज को भेजते हैं जिससे कि जितने भी ज्वेलरी शॉप है उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाए इस पहल को सिंदरी चेंबर ऑफ कॉमर्स काफी सराहना करता है।

थाना अध्यक्ष ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देशथाना अध्यक्ष ने उपस्थित दुकानदारों को सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि रात के समय दुकानों के बाहर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके और किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोका जा सके। उन्होंने व्यापारियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने की अपील की।

गणतंत्र दिवस के झांकी के थीम पर डीडीसी ने की चर्चा

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरजा शंकर प्रसाद ने आगामी 76 वें. गणतंत्र दिवस पर विभिन्न विभागों द्वारा निकाले जाने वाले झांकी के थीम पर चर्चा की। मौके पर *डीआरडीए निदेशक श्रीमती मेनका, सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक पियूष, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श् शालिनी खालखो, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला पशु पालन पदाधिकारी डा. मनोज मणि, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य विभागों के कर्मी उपस्थित* उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त ने क्रमवार विभिन्न विभागों के झांकी की तैयारी और उसके थीम की जानकारी ली। इस क्रम में पुलिस विभाग द्वारा साइबर क्राइम/डिजीटल एरेस्ट, अग्निशामन विभाग द्वारा आग बुझाने की गतिविधि, नगर निगम चास द्वारा रेन वार्टर हार्वेस्टिंग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जगरनाथ मंदिर, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान भारत – डिजीटल मिशन, मत्स्य विभाग द्वारा केज फिसिंग, गव्य एवं पशुपालन विभाग द्वारा पेट क्लिनिक – मुख्यमंत्री पशुधन योजना, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा ग्रे वाटर मैनेजमेंट, कृषि – नाबार्ड – अग्रणी बैंक द्वारा कृषक पाठशाला/एफपीओ, जेएसएलपीएस द्वारा आर्थिक गतिविधि/लखपति दीदी, जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा माडल आंगनबाड़ी केंद्र, सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा मंईयां सम्मान योजना एवं परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा से संबंधित थीम की जानकारी दी गई।

सावधान, स्पीड रडार गन की हैं आप पर नजर, तेज चलाए वाहन तो कटेगा चालान

बोकारो सड़कों पर वाहनों को तेज गति से दौड़ाने वाले चालक अब संभल जाएं। ट्रैफिक पुलिस ने तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसके लिए स्पीड रडार गन को प्रयोग में लाया जा रहा है। इससे दूर से वाहन की रफ्तार को कैच किया जा सकता है और लिमिट से अधिक स्पीड होने पर पास आने पर चालान की कार्रवाई कर दी जाती है।

यहां बता दें कि हाल ही में ट्रैफिक पुलिस को स्पीड रडार गन प्राप्त हुई है। एक- दो दिन इसके प्रयोग को जाना समझा गया। इसके बाद दिनांक 21 जनवरी, 2025 से उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर आदेश पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है*। इस स्पीड रडार गन का प्रयोग खासकर शहर के डायवर्सन रोड व आसपास के भीड़ भाड़ वाले इलाको में प्रयोग किया जा रहा है। स्पीड रडार गन की मदद से वाहन चालक को सबूत के तौर पर वीडियो भी दिखाया जा सकता है।

जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर एवं यातायात निरीक्षक आर.के. राणा ने जानकारी दिया कि इसकी मदद से हादसे कम होंगे, सबूत भी रहेगा। साथ ही स्पीड रडार गन के माध्यम से चालान की कार्रवाई शुरू हो गई है। इस कारण वाहन चालक निर्धारित रफ्तार में ही वाहन चलाएंगे। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। डायवर्सन रोड पर ही वाहन चालक तय गति से तेज वाहन चलाते हैं। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस वाहनों की जांच करेगी कि कोई वाहन तेज गति से तो नहीं चल रहा। तेज गति से आ रहे वाहन चालक का चालान काटा जाएगा।

जीवनांक संबंधी प्रशिक्षण सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला परिषद कार्यालय सभागार में निर्धारित जन्म-मृत्यु से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। मौके पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी श्रीमती श्वेता गुड़िया, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, सहायक नगर आयुक्त प्रियंका, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डा. अरविंद कुमार सिटी मैनेजर चास मेघनाथ चौधरी, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी श्री अशोक कुमार खलखों आदि उपस्थित थे।

कार्यशाला में शामिल सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी, सिटी मैनेजर चास नगर निगम, चास प्रखंड एवं चंदनकियारी प्रखंड के पंचायत सचिव, आंगनबाड़ी के महिला पर्यवेक्षिका एवं चास सी०एस०सी० के उपाधीक्षक एवं सभी कम्प्यूटर आपरेटरों ने हिस्सा लिया।

मौके पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी एवं सहायक नगर आयुक्त, चास नगर निगम ने विस्तार पूर्वक जन्म -मृत्यु अधिनियम 1969 एवं झारखंड जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण, 2009 अधिसूचना पर विस्तार पूर्व प्रशिक्षण दिया।

जिला सांख्यिकी पदाधिकारी ने सभी को जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के लंबित आवेदनों को नियम के तहत निष्पादित करने को कहा। इसमें किसी भी तरह की कोई लापरवाही नहीं हो, प्रमाण पत्र के लिए जैसे आवेदन अपलोड हो, उसका ससमय निस्तारण करें, इसकी गंभीरता से जिला स्तर पर निगरानी होगी, लापरवाह एवं सुस्त कर्मियों के विरूद्ध सेवा के अधिकार अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कार्यशाला के सफल आयोजन में जिला सांख्यिकी कार्यालय के श्री बैजनाथ राम, अभिषेक कुमार सिंह, गोपाल मुखर्जी एवं सुश्री दीपू कुमारी का अहम योगदान रहा।

पूरक पोषाहार उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

महिला बाल विकास एवं बोकारो।सामाजिक सुरक्षा विभाग (समाज कल्याण निदेशालय) के निर्देशानुसार पूरक पोषाहार कार्यक्रम योजना अन्तर्गत जिले में टीएचआर आपूर्ति की जा रही है, जो माइक्रकोन्यूट्रिएस फोटिफाईड एनर्जी डेंस फुड (एमएफईडीएफ) है। इस सामग्री को तैयार करने हेतु स्वयं सहायता समूह/महिला मंडल के लिये प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण बालीडीह स्थित कोटा दाल मिल में किया गया। जिसमें मुख्य रूप से जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता एवं जिला बाल सुरक्षा पदाधिकारी श्रीमती अनिता झा उपस्थित रही। साथ हीं, उनके द्वारा प्लांट निरीक्षण भी किया गया। वहीं, कोटा दाल मिल की तरफ से कार्यशाला में हरीश चतुर्वेदी, प्रशान्त शर्मा, लक्ष्मीकान्त कोशिक शामिल हुए। सभी ने प्रशिक्षण में अपनी बातों को रखा।

उधर, आदित्य फ्लोर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड में भी महिला समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, कंपनी के निदेशक मुशर्रफ अली, अमरेंद्र खान, सुभाष कुमार, विनीत कुमार आदि उपस्थित रहें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न स्वयं सहायता समूह एवं महिला मंडल के 100 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

टुंडी यज्ञ समिति के प्रांगण में हरिओम सेवा संस्था के सदस्य अमित सूंडा ने किया मां पार्वती एवं भगवान श्री गणेश का मूर्ति दान।।

टुंडी/ धनबाद।। टुंडी मुख्यालय से मात्र आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित भुरसाबांक यज्ञ स्थल के शिव मंदिर के प्रांगण में मां पार्वती एवं भगवान श्री गणेश का मूर्ति का दान करने पहुंचे मोहित लता सूंडा उनके पुत्र अमित सूंडा एवं कोमल कुमारी सूंडा।।

धनबाद जिला के टुंडी में हरिओम सेवा संस्था के मीडिया प्रभारी सह समाजसेवी शीतल दत्ता के पहल पर मां पार्वती एवं भगवान श्री गणेश का मूर्ति का दान दिया गया। टुंडी के शिव मंदिर में मां पार्वती एवं भगवान श्री गणेश का मूर्ति लग जानें से वहा के लोगों में उत्सव का माहौल है।

मौके पर मुख्य रूप से कमेटी के वरिष्ठ सदस्य सह सेवानिवृत्त शिक्षक अशोक पाठक, टुंडी यज्ञ समिति के अध्यक्ष कुन्दन सिंह, रतिलाल चौधरी,अमरनाथ गोस्वामी इत्यादि सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे ।।

वाहन जांच अभियान चलाकर मोटरयान निरीक्षक ने वसूला 02.50 लाख जुर्माना

बोकारो राष्ट्रीय राजमार्ग 23 पर बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बालीडीह टॉल प्लाजा पर परिवहन विभाग द्वारा आज दिनांक 21 जनवरी, 2025 दिन मंगलवार को चलाएं गए सघन वाहन जांच अभियान के दौरान 37 वाहनों से 02.50 लाख का जूर्माना वसूल किया गया। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना सेजवलकर एवं मोटरयान निरीक्षक कमल किशोर द्वारा संयुक्त जांच अभियान चलाकर मोटरवाहन अधिनियम के विभिन्न नियमों के उल्लंघन में कुल 37 वाहन से 02.50 लाख रुपए जुर्माना वसूला गया।

डीटीओ एवं एमवीआई के संयुक्त नेतृत्व में अभियान के तहत कुल 80 वाहनों की जांच की गई, जिसमें रिफ्लेक्टिव टेप, ओवर लोडिंग एवं टैक्स फेल होने को लेकर 37 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया।

"राष्ट्रीय MDA (फाइलेरिया) कार्यक्रम 2025" के सफलता हेतु जिला टास्क फोर्स की बैठक

रांची। उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त रांची, दिनेश कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय ब्लॉक- ए स्थित सभागार में "राष्ट्रीय MDA (फाइलेरिया) कार्यक्रम 2025" के सफलता हेतु जिला टास्क फोर्स एवं जिला समन्वयक समिति (Sparsh Leprosy) की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सिविल सर्जन सदर रांची, डॉ प्रभात कुमार, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी, डॉ सीमा गुप्ता, जिला मलेरिया पदाधिकारी, डॉ एस० बासकी जिला यक्ष्मा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी तमाड़, जिला कुष्ठ पदाधिकारी रांची, जिला टीबी पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, प्रखंड लेखा पदाधिकारी, मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर, जिला भी.वी.डी सलाहकार, जिला एफ. एल.ए. एवं पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय MDA (फाइलेरिया) कार्यक्रम 2025" के सफलता हेतु जिला टास्क फोर्स की बैठक

फाइलेरिया के विलोपन हेतु इस वर्ष 2025 में रांची जिला के दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओरमांझी एवं तमाड़ में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कार्यक्रम मनाया जा रहा है, जिसमें कुल 279 350 व्यक्तियों को डी.ई.सी. अल्बेंडाजोल की दवा (गर्भवती महिलाएं 2वर्ष से छोटे बच्चे एवं अत्यंत गंभीर बीमारी व्यक्ति को छोड़कर) खिलाई जाएगी। फाइलेरिया एवं गंभीर बीमारी है जो संक्रमित मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होती है। इस बीमारी से प्रत्येक वर्ष उम्र के अनुसार एक खुराक डी. ई.सी एवं अल्बेंडाजोल खाकर बचा जा सकता है। जिले में कुल 218 गांव में 646 दवा प्रशासको के द्वारा 10 फरवरी को बूथ पर एवं 11 से 25 फरवरी 2025 को घर-घर जाकर अपने सामने दवा प्रशासको के द्वारा खिलाई जाएगी। 1 से 2 वर्ष के बच्चों को अल्बेंडाजोल की आधी गोली पानी में घोलकर खिलाना है।

इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी गांव विद्यालयों में मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहा है। विभिन्न विभागों का प्रशिक्षण भी कराया जा रहा है साथ ही Morbidity management किट वितरित किया जा रहा है। फाइलेरिया से ग्रसित रोगियों का विकलांगता प्रमाण पत्र भी बनाया जा रहा है।

जिला समन्वयक समिति (Sparsh Leprosy) की बैठक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 2025 एवं कुष्ठ रोग खोज अभियान (द्वितीय चक्र) LCDC 2025 के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन को लेकर बैठक में उप विकास आयुक्त ने प्रखंड, गाँव स्तर पर ग्रामगोष्ठी का आयोजन करने, आंगनबाडी, स्कूलों व स्वास्थ्य केन्द्रों में शपथ दिलाने एवं कुष्ठ रोग के प्रति लोगो को जागरूक करने का निर्देश दिया ।

सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया की फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान कार्यक्रम 30 जनवरी 2025 से 14 कुष्ठ रोग खोज अभियान (द्वितीय चक्र) LCDC 2025 अभियान चलाया जायेगा। इस कार्यक्रम के दौरान जिन जिन गांवो में विगत पांच वर्षों के अन्दर कुष्ठ रोगी मिले है वह सहिया एवं पुरुष स्वंय सेवक द्वार घर घर जा कर लोगों का शारीरिक जाँच की जायेगी एवं उन्हें कुष्ठ रोग के प्रति जागरूक किया जाएगा।

इस अभियान के दौरान यह भी बताया जायेगा कि ईलाज करने से इस रोग से निजत मिल जाती है। दवाइयों का खुराक नियमित रूप से करने से यह रोग पूर्ण रूप से ठीक हो जाता है। उपचार एवं इसकी दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों में निशुल्कः दी जाती है। बैठक में जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी के द्वारा पूर्ण रूप से इस कार्यक्रम को लेकर पर प्रकाश डाला गया ।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के द्वारा अफीम विनिष्टकारण का निरीक्षण किया

रांची। सुमित कुमार अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के द्वारा बुंडू तथा तमाड़ थाना क्षेत्र में किए जा रहे हैं अवैध अफीम की विनिष्टकारण का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

विनिष्टकारण निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी बुंडू, अनुमंडल पुलिस अधिकारी बुंडू, पु0नि0 सह थाना प्रभारी बुंडू, अंचलाधिकारी बुंडू, प्रखंड विकास पदाधिकारी बुंडू एवं अन्य पदाधिकारी थे।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के आवेदनों का सीडीपीओ नहीं करती है निष्पादन

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने मंगलवार को जनता दरबार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनी। जनता दरबार में निरसा के रांगामाटी से आयी सेविका ने उपायुक्त को बताया कि वहां की सीडीपीओ द्वारा मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के आवेदनों का निष्पादन नहीं किया जा रहा है। इस कारण लगभग 11 आवेदन लंबित है। मामले पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को जांच कर मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लंबित आवेदनों को राजगंज बाजार की एक महिला ने उपायुक्त को बताया कि वर्ष 2011 से वह अपना मकान बनाकर रह रही है। 5 वर्ष पूर्व उनके मकान के बगल में एक नया मकान बना है। उस नए मकान के सोखा का पानी उनके घर में घुस रहा है। इसके कारण उनका मकान क्षतिग्रस्त हो गया है। इसको लेकर पड़ोसी को कई बार शिकायत की, परंतु इसका निराकरण ढूंढने के बजाय पड़ोसी उन्हें धमका रहा है।

रणधीर वर्मा स्टेडियम में प्लाटूनों ने किया परेड का रिहर्सल

धनबाद। गणतंत्र दिवस के अवसर पर रणधीर वर्मा स्टेडियम में जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें विभिन्न प्लाटूनों द्वारा परेड किया जाएगा। इस संदर्भ में मंगलवार को जिला सशस्त्र बल, झारखंड सशस्त्र बल - 3, एनसीसी, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, होमगार्ड के प्लाटूनों द्वारा परेड का रिहर्सल किया गया। परेड का रिहर्सल 23 जनवरी तक किया जाएगा। वहीं 24 जनवरी को उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दन पूर्वाभ्यास का निरीक्षण करेंगे।

मिडिल स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा के लिए 94 करोड़ स्वीकृत, 18 प्रस्तावों पर मुहर

हेमंत सोरेन मंत्रिपरिषद ने ज्ञानोदय योजना के अंतर्गत राज्य के मीडिल स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा के लिए 94.50 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। विभिन्न थानों और अन्य पुलिस ऑफिस में नियुक्त अफसर, जो विभिन्न केस का अनुसंधान करते हैं, उनको मोबाइल फोन की सुविधा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद उक्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट की बैठक में 18 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। ज्ञानोदय योजना के अंतर्गत मिडिल स्कूलों में कंप्यूटर लैब और स्मार्ट क्लास रूम की व्यवस्था की जाएगी। ऐसे 500 स्कूलों की पहचान की गई है। कैबिनेट सचिव ने बताया कि करीब 8 हजार ऐसे पुलिस अधिकारी हैं, जो विभिन्न केस के अनुसंधानकर्ता हैं। उन्हें मोबाइल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ये अधिकारी मोबाइल खरीदेंगे और उन्हें 25 हजार रुपए तक का रिम्बर्स किया जाएगा। संविदा पर नहीं रखे जाएंगे सलाहकार सह विशेष सचिव : दादेल ने बताया कि एक महत्वपूर्ण निर्णय के अनुसार, अब संविदा के आधार पर सलाहकार सह विशेष सचिव नहीं रखे जाएंगे। हालांकि, कृषि विभाग में कार्यरत वर्तमान विशेष सचिव प्रदीप कुमार हजारी अपनी सेवा विस्तार की अवधि तक काम करते रहेंगे। कैबिनेट ने उच्च कुशलता प्राप्त प्रोफेशनल को संविदा के आधार पर सलाहकार सह विशेष सचिव के रूप में नियोजित करने संबंधी संकल्प को निरस्त कर दिया। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के तहत झारखंड पारा मेडिकल जिला स्तरीय संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2025 के गठन को स्वीकृति। मेडिकल कॉलेज, सदर व अनुमंडलीय अस्पतालों व सीएचसी में सीनियर मैनेजर, मैनेजर, फाइनेंस मैनेजर व आईटी एग्जीक्यूटिव पद सृजित करने की स्वीकृति। झारखंड अधिवक्ता कल्याण कोष के लिए 12 करोड़ रुपए स्वीकृत। तमाड़ की तत्कालीन बीडीओ कुमकुम प्रसाद के एक वेतन वृद्धि पर रोक के दंड को निरस्त किया गया।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम को लेकर समीक्षा बैठक

रांची। हेमन्त सोरेन, मुख्यमंत्री, झारखण्ड सरकार के निर्देशानुसार अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिदेशक, झारखंड, राँची के नेतृत्व में राज्य के सभी जिलों में दिनांक-22.01.2025 को पुनः आयोजित होने वाले "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" को लेकर पुलिस मुख्यालय सभागार में समीक्षा बैठक की गयी। पूर्व में दिनांक-10.09.2024 एवं 18.12.2024 को आयोजित "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" के संबंध में व्यापक रूप से समीक्षा करते हुए तथा दिनांक-22/01/2025 को पुनः आयोजित होने वाले "जन शिकायत समाधान कार्यक्रम" को लेकर पुलिस महानिदेशक, झारखंड, राँची द्वारा निम्नांकित निर्देश दिये गये

आम नागरिकों से प्राप्त शिकायत पत्र का निष्पादन त्वरित गति से करना सुनिश्चित किया जाय। अगर ऑन द स्पॉट शिकायत का समाधान करना संभव हो तो उसका समाधान उसी समय करना सुनिश्चित करे।

शिकायतों पर पुलिस के द्वारा की गई कार्रवाई की सूचना यथाशीध शिकायतकर्ता को उपलब्ध करायी जाय।

शिकायतकर्ता के आवेदन पत्र के आलोक में आवश्यकतानुसार प्राथमिकी अवश्य दर्ज की जाय।

प्रत्येक जिला में ऑन लाईन शिकायत हेतु मोबाईल/वॉट्सऐप नम्बर तथा ईमेल आईडी की व्यवस्था कर आम नागरिकों के बीच प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित की जाय ताकि आम नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर ऑन लाईन शिकायत पत्र प्रेषित कर सके। आम जनता से प्राप्त लिखित एवं मौखिक शिकायतों को उचित रजिस्टर में संधारित करते हुये पावती संख्या के साथ सम्पर्क नम्बर भी उपलब्ध करायी जाय, ताकि शिकायतकर्ता द्वारा अपने शिकायत की जानकारी प्राप्त की जा सके।

सभी पुलिस अधीक्षक क्षेत्रों में निवासी कल्याण संघ (RWA) का गठन कराने हेतु प्रेरित करेंगे।

गुमशुदा बच्चों एवं महिलाओं के सुरक्षा के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए Victim compensation Scheme के बारे में जागरूक करेंगे।

नये अपराधिक कानून के अन्तर्गत Zero FIR एवं Online FIR करने के प्रणाली, Dial-112 एव Dial-1930 (साईबर फ्रॉड) के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक करना सुनिश्चित करेंगे।

कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिए एस०सी०/एस०टी० अत्याचार निवारक अधिनियम के तहत दर्ज काण्डों में यथाशीघ्र अग्रतर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

क्षेत्र में होने वाले सम्पति मूलक अपराध एवं अपराधियों की सूचनाएँ, साईबर अपराध तथा अवैध रूप से नागरिकों से ठगी करने वाली चिटफड कम्पनियों की जानकारी प्राप्त कर अग्रतर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

ऐसे क्षेत्र जहाँ मानव तस्करी की घटना को लेकर अपराध होते है वहाँ पर विशेष रूप से अपराध की भुक्तभोगियों की सूचना प्राप्त की जाय एवं सलिप्त अपराधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर अग्रतर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

अफीम की खेती तथा ब्राउन शुगर इत्यादि की खरीद-बिक्री की जानकारी प्राप्त करते हुए इसकी रोकथाम के लिए नागरिकों को जागरूक करना सुनिश्चित करें।

स्कूल/कॉलेज के बच्चों द्वारा नशीले पदार्थों का सेवन करने की जानकारी प्राप्त होने पर उसके रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाया जाय।

शहरी क्षेत्र में बंद स्कूल, कॉलेज, सड़क आदि स्थानों में असमाजिक तत्वों का जमावड़ा प्रायः होता है, इस संबंध में कड़ी निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

इस बैठक में पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड अनुराग गुप्ता के अतिरिक्त मनोज कौशिक पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय झारखण्ड, अमोल विनुका होमकर पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) झारखण्ड, प्रभात कुमार पुलिस महानिरीक्षक (वि०शा०) झारखण्ड, असीम विक्रांत मिंज पुलिस महानिरीक्षक (अप०अनु०वि०) झारखण्ड श्रीमती ए० वियजालक्ष्मी पुलिस महानिरीक्षक (प्रशिक्षण) झारखण्ड, कार्तिक एस० पुलिस उप-महानिरीक्षक (झा०स०पु०) राँची, धनंजय कुमार सिंह पुलिस उप-महानिरीक्षक (जंगलवार फेयर स्कूल नेतरहाट), अश्विनी कुमार सिन्हा पुलिस उप-महानिरीक्षक (वायरलेश) झारखण्ड राँची, शैलेन्द्र प्रसाद वर्णवाल पुलिस उप-महानिरीक्षक (भ्र०नि०ब्यूरो) राँची, चंदन कुमार झा पुलिस उप-महानिरीक्षक (एस०आई०बी०) झारखण्ड, प्रियदर्शी आलोक पुलिस उप महानिरीक्षक (रज), अमित रेणु पुलिस अधीक्षक (अभियान) झारखण्ड भौतिक रूप से एवं सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक / क्षेत्रीय उप-महानिरीक्षक / पुलिस अधीक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से उपस्थित रहें।

उपायुक्त ने आम जनों की सुनी समस्या

साहिबगंज। साहिबगंज उपयुक्त अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त द्वारा आम जनों से हर समय जुड़ने का प्रयास किया जा रहा है। साहेबगंज जिले के विभिन्न प्रखण्ड से आये आम जनों से सीधा संवाद कर समस्याओं को सुने और समझे । प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया गया और आश्वासन दिया गया जल्द से जल्द समस्याओं को दूर किया जाए।

अफीम की खेती को ट्रैक्टर तथा ग्रास कटर मशीन चला कर विनिष्ट किया गया

रांची। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू के नेतृत्व में तमाड़, बुंडू, राहे, सोनाहातु, नामकुम, अनगड़ा एवं दशामफाल थाना प्रभारी के द्वारा

1.	बुंडू	थाना	अंतर्गत	16	एकड़
2.	तमाड़	थाना	अंतर्गत	41	एकड़
3.	दशामफाल	थाना	अंतर्गत	2.5	एकड़
4.	अनगड़ा	थाना	अंतर्गत	03	एकड़
5.	राहे	थाना	अंतर्गत	1.5	एकड़
6.	सोनाहातु	थाना	अंतर्गत	1.5	एकड़
7.	नामकुम	थाना	अंतर्गत	02	एकड़

सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में जंगल झाड़ में लगभग 67.5 एकड़ लगे अफीम को ट्रैक्टर, ग्रास कटर मशीन एवं पुलिस बल के द्वारा विनष्ट किया गया।

करीब 20 एकड़ अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया

* सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्र में करीब 20 एकड़ अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया जिनकी विवरणी निम्न प्रकार है:-

• चौका थाना क्षेत्र अंतर्गत अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चांडिल के नेतृत्व में SSB मतकमडीह की कंपनी एवं थाना प्रभारी चौका के साथ ग्राम रंका में करीब 3 एकड़ अवैध रूप से लगाये गए अफीम की खेती को नष्ट किया गया।

* ईचागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना प्रभारी इचागढ़ के नेतृत्व में ग्राम बिरडीह में करीब 02 एकड़ में अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया।

इसके अलावा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे निरंतर जागरूकता अभियान से प्रभावित होकर खरसावां थानांतर्गत रायजामा में ग्रामीणो के द्वारा ग्राम सभा कर जंगल क्षेत्र में लगे लगभग 5 एकड़ में एंव कुचाई थाना (दलभंगा ओ0पी0) थानांतर्गत ग्राम बिजार , बिजार टोला राजाबासा एवं चोपोडीह में ग्रामीणो के द्वारा ग्राम सभा कर जंगल क्षेत्र में लगे लगभग 10 एकड़ में अवैध अफीम को विनिष्ट किया गया है।

अवैध अफीम खेती का भंडाफोड़: दो गिरफ्तार, उपकरण बरामद

गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि मनातू थाना अंतर्गत ग्राम-जसपुर, टोला-गौरया, जिला-पलामू के जंगल क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही है। सूचना प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते हुए और उनके निर्देशानुसार एक छापामारी दल का गठन किया गया।

छापामारी दलः 1. थाना प्रभारी, मनातू2. स०अ०नि० तुराम पुर्ती3. स०अ०नि० सत्येन्द्र कुमार4. वन विभाग मनातू प्रक्षेत्र के प्रभारी वनपाल अमरेश कुमार पासवान5. वन विभाग के अधिकारी आशुतोष कुमार तिवारी दल ने सूचना के सत्यापन और कार्रवाई हेतु थाना से प्रस्थान किया। समय करीब 12:05 बजे ग्राम-जसपुर, टोला-गौरया के जंगल क्षेत्र के पिछरी नाला के तट पर पहुंचकर देखा कि पांच व्यक्ति अवैध अफीम खेती में कार्यरत हैं। पुलिस को देखकर उक्त व्यक्ति जंगल की ओर भागने लगे। सशस्त्र बल और वन विभाग के कर्मियों द्वारा पीछा करने पर दो व्यक्तियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया।

झारखंड के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना मंजूर:राज्यकर्मियों को सामान्य बीमारी में 5, गंभीर में 10 लाख का कैशलेस इलाज

रांची झारखंड सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना को मंजूरी दे दी। अब उन्हें सामान्य बीमारियों में सालाना पांच लाख और गंभीर बीमारियों में 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। राज्यकर्मियों के आश्रितों को भी इसका लाभ मिलेगा। राज्य सरकार के पेंशनर ऐच्छिक रूप से इस योजना से जुड़ सकेंगे। इसके लिए उन्हें सालाना 6000 रुपए एकमुश्त जमा करने होंगे। स्वास्थ्य बीमा योजना के लिए सरकार ने कर्मचारियों को तीन कैटेगरी में बांटा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में कुल 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि स्वास्थ्य बीमा योजना के लिए सरकार ने टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ करार किया है। अभी राज्यकर्मियों को प्रति माह 1000 रुपए चिकित्सा भत्ता दिया जाता है। अब इनमें से 500 रुपए प्रति माह कटौती की जाएगी। इस योजना के तहत करीब 1.75 लाख कर्मचारियों और करीब 2.25 लाख पेंशनरों को सीधा फायदा होगा।

बीमा के लिए कर्मचारियों को तीन श्रेणियों में बांटा

कैटेगरी-ए

राज्य के सभी कर्मचारी
विधानसभा के वर्तमान सदस्य

कैटेगरी-बी (ऐच्छिक लाभ लेने वाले)

राज्य के सेवानिवृत्त कर्मचारी और उनके आश्रित
विधानसभा के पूर्व सदस्य
केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर
राज्य सरकार के बोर्ड, निगम, संस्थान के कर्मचारी या पेंशनर
राजकीय विश्वविद्यालयों व अंगीभूत कॉलेजों के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी और पेंशनर

कैटेगरी-सी

झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति के निबंधित अधिवक्ता

पेंशनर ऐच्छिक तौर पर जुड़ सकेंगे, देने होंगे सालाना 6000 रुपए

दिव्यांग आश्रित को आजीवन लाभ मिलेगा दिव्यांग आश्रित को आजीवन स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। पति-पत्नी दोनों के राज्य सरकार के कर्मचारी होने पर दोनों को एक-दूसरे का आश्रित नहीं माना जाएगा। उनके बच्चे दोनों में से किसी एक पर ही आश्रित माने जाएंगे। गौरतलब है कि स्वास्थ्य विभाग ने 31 जुलाई 2023 को राज्यकर्मियों और पेंशनरों को स्वास्थ्य बीमा योजना देने का संकल्प जारी किया था। लेकिन यह मामला अभी तक लटका हुआ था।

बीमा योजना के लिए राज्य आरोग्य सोसायटी ट्रस्ट में रखे जाएंगे 50 करोड़ इस योजना के लिए 50 करोड़ रुपए राज्य आरोग्य सोसायटी के ट्रस्ट में रखे जाएंगे। राज्य सरकार आकस्मिकता निधि से 150 करोड़ रुपए का उपयोग करेगी। राज्य में रहने वाले अखिल भारतीय सेवाओं के सेवारत या सेवानिवृत्त पदाधिकारी एवं कर्मी, विधानसभा के पूर्व सदस्य, पदाधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न बोर्ड-निगम और संस्थानों में काम करने वाले या सेवानिवृत्त कर्मी भी अपनी इच्छा के आधार पर योजना का कवरेज ले सकते हैं।

ग्राम लठैया में महिला सशक्तिकरण और बालिका प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

पलामू। महिला थाना प्रभारी, छतरपुर ने थाना के महिला आरक्षियों के साथ ग्राम लठैया में बालिका प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। यह कार्यक्रम विद्या विहार वाटिका विद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की छात्राओं और छात्रों को महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों पर जागरूक किया गया।

इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी ने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हो रहे अपराधों, घरेलू हिंसा, और उनके निवारण के उपायों पर जानकारी दी। बच्चों को बाल विवाह से बचाने और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने हेतु प्रेरित किया गया।

महिला थाना प्रभारी ने बच्चों और उपस्थित जनसमुदाय को बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वह पुलिस की मदद लेने से न झिझकें। उन्होंने टोल-फ्री नंबर 112 की जानकारी दी और आश्वासन दिया कि शिकायत मिलने पर त्वरित और उचित कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें हर प्रकार की समस्या का डटकर सामना करने के लिए प्रेरित करना था।

डायन कुप्रथा और सामाजिक अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता

पलामू। किशुनपुर ओपी अंतर्गत डायन कुप्रथा को समाप्त करने और समाज में व्याप्त अंधविश्वास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में किशुनपुर के सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

जागरूकता अभियान किशुनपुर के मुख्य स्थानों, किशुनपुर मध्य विद्यालय और किशुनपुर हाईस्कूल में आयोजित किया गया। इसमें बच्चों और स्थानीय समुदाय को डायन कुप्रथा जैसी घातक प्रथाओं के सामाजिक और कानूनी दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को डायन प्रथा को खत्म करने के लिए बनाए गए सख्त कानूनों की जानकारी दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि ऐसी प्रथाओं से जुड़ी घटनाओं को रोकने और प्रभावित व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए कानून का सहारा कैसे लिया जा सकता है।

इस अभियान का उद्देश्य समाज को जागरूक बनाना और ऐसे कुप्रथाओं के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाने की प्रेरणा देना था।

राज्य में पशुओं के लिए शेड निर्माण की गति धीमी:24 जिले में 42939 पशु शेड बनाने का था लक्ष्य, 1 साल में 16394 ही बन सके

रांची मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत राज्य में पशु शेड बनाने की गति काफी धीमी है। राज्य के सभी 24 जिलों में नवंबर 2023 में शेड निर्माण की योजना शुरू की गई थी। वित्तीय वर्ष 2024-24 में सभी जिले में 42,939 पशु शेड का निर्माण करने का लक्ष्य रखा गया था। इसके एवज में 32,990 योजनाएं ही स्वीकृति हुईं। 16 दिसंबर 2024 तक इनमें से मात्र 16,394 योजनाएं ही पूरी हो सकी हैं। 13,739 योजनाओं पर काम चल रहा है। जबकि, कुछ शेड का निर्माण शुरू होना है। अगर इसे प्रतिशत के रूप में देखा जाए तो कुल लक्ष्य के विरुद्ध 76.83 योजनाएं ही स्वीकृत की गईं। इस तरह से लक्ष्य के विरुद्ध 38.18% योजनाएं ही दिसंबर 2024 तक पूरी हो पाई हैं। बताया जा रहा है कि राज्य में वर्ष 2024 में लगातार 79 दिनों तक चली मनरेगाकर्मियों की हड़ताल की वजह से यह योजना प्रभावित हुई और काम धीमा हो गया। पशुपालकों को मदद करना है योजना का उद्देश्य : मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना को शुरू करने का उद्देश्य किसानों व पशुपालकों के पलायन को रोकना है। योजना के माध्यम से किसानों तथा पशुपालकों को दुधारू पशुओं के साथ-साथ शूकर, बकरी, बत्तख तथा कुक्कुट पालन आदि का व्यवसाय शुरू करने के लिए यूनिट की कुल लागत की 90% तक सब्सिडी दी जाती है।

महाकुंभ 2025 : अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी पहुंचे संगम पर, भंडारा सेवा में बनाया महाप्रसाद

देश के दूसरे नंबर के अमीर गौतम अडानी आज महाकुंभ पहुंचे। संगम पर उन्होंने इस्कॉन के शिविर में भंडारा सेवा में भी शामिल हुए। उन्होंने उस दौरान महाप्रसाद भी बनाया। वहां उनका त्रिवेणी में पूजा अर्चना का भी कार्यक्रम है।

प्रयागराजः संगम नगरी प्रयागराज में 'महाकुंभ 2025' का भव्य आयोजन चल रहा है। इस आयोजन में आज अडानी ग्रुप (Adani Group) के चेयरमैन गौतम अडानी भी पहुंचे। महाकुंभ नगर के सेक्टर नंबर 18 स्थित इस्कॉन वीआईपी शिविर पहुंचने पर गौतम अडानी का स्वागत किया गया। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद थी।

महाप्रसाद भी बनाया न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक स्वागत के बाद गौतम अडानी सेक्टर 19 इस्कॉन पहुंचे, जहां उन्हें महाप्रसाद बनाते हुए देखा गया। उल्लेखनीय है कि महाकुंभ में इस्कॉन और अडानी ग्रुप मिलकर रोजाना लाखों लोगों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था कर रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी खुद प्रयागराज के इस्कॉन पंडाल में भंडारा सेवा में हिस्सा ले रहे हैं।

त्रिवेणी में पूजा अर्चना गौतम अडानी ऐतिहासिक महाकुंभ में भंडारा सेवा करने के साथ ही त्रिवेणी में पूजा-अर्चना करेंगे और प्रसिद्ध बड़े हनुमान जी के मंदिर में दर्शन करेंगे। ज्ञात हो कि अडानी समूह इस साल इस्कॉन और गीता प्रेस के साथ मिलकर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में लगा हुआ है। इस्कॉन के साथ मिलकर अडानी समूह प्रतिदिन एक लाख श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण कर रहा है। परिसर में 'अडानी महाप्रसाद' का आयोजन किया जा रहा है, जहां हजारों भक्तों की भीड़ लगी हुई है।

चार्ज नहीं लिया जाता महाकुंभ आने वाले यूपी के जौनपुर के अंकित मोदनवाल ने कहा, "गौतम अडानी की तरफ से महाप्रसाद की बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। सभी भक्त और श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क व्यवस्था है, किसी भी तरह का चार्ज नहीं लिया जा रहा है। खाने की गुणवत्ता बहुत अच्छी है। गौतम अडानी की तरह और भी उद्योगपतियों को यहां पर आना चाहिए और सभी को सनातन धर्म के प्रति और जागरूक होने की आवश्यकता है।"

खाने की गुणवत्ता अच्छी जमशेदपुर के एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, "इस्कॉन और अडानी ग्रुप की तरफ से बहुत ही अच्छे तरीके से भंडारे को संचालित किया जा रहा है। इसमें खाने की गुणवत्ता भी बहुत अच्छी है। अब लोगों को मदद मिल रही है। गौतम अडानी की तरह बड़े-बड़े उद्योगपतियों को आस्था क्रम में आगे आना चाहिए।"

दिल्ली से पटना ढाई घंटे में... भारत को मिलेगी सबसे तेज बुलेट ट्रेन, 400 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

देश का पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट मुंबई और अहमदाबाद के बीच बन रहा है। इसमें जापान की सरकार सहयोग कर रही है। इसके 2026-27 तक पूरा होने की उम्मीद है। जापान ने इसके लिए अपनी लेटेस्ट बुलेट ट्रेन देने में सहमति जताई है। इस ट्रेन का

नई दिल्लीः भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना जापान की मदद से बनाई जा रही है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच बनाए जा रहे इस हाई स्पीड कॉरिडोर के 2026-27 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके लिए जापान अपनी अत्याधुनिक बुलेट ट्रेन देने पर सहमत हो गया है जिसकी रफ्तार 400 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है। यानी यह नई दिल्ली से पटना का 1000 किमी का सफर मात्र ढाई घंटे में पूरा कर सकती है। मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक जापान की सरकार ने अपनी लेटेस्ट बुलेट ट्रेन Shinkansen Alfa-X को भारत को देने के लिए सहमत हो गई है। इसके Shinkansen E10 के नाम से भी जाना जाता है। माना जा रहा है कि 2029-30 में इसे जापान और भारत में एक साथ लॉन्च किया जा सकता है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की अगुवाई में भारतीय अधिकारियों का एक दल सितंबर और दिसंबर में जापान गया था। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जापान अपनी लेटेस्ट बुलेट ट्रेन भारत को देने के लिए सहमत हो गया है। पहले भारत को Shinkansen E5 मिलने की उम्मीद थी जिसकी रफ्तार 320 किमी प्रति घंटे है। Shinkansen E10 का अभी जापान में ट्रायल चल रहा है। एक सूत्र ने कहा कि यह पहला मौका है जब कोई विकसित देश अपनी लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को अपनी जमीन और विदेशी जमीन पर एक साथ लॉन्च करने पर सहमत हुआ है। ***पहले चलेगी भारत की ट्रेन*** *Shinkansen E10 ज्यादा सुरक्षित और तेज है। ताइवान और अमेरिका की भी इस पर नजर है। माना जा रहा है कि भारत में 2026-27 तक बुलेट ट्रेन का ट्रैक बिछाने का काम पूरा हो जाएगा और शुरुआत में इसके भारत में बनी ट्रेन को दौड़ाया जाएगा। इसके लिए रेलवे की इंटिग्रल कोच फैक्ट्री ने बीईएमएल को 867 करोड़ रुपये में दो सेमी-हाई स्पीड ट्रेन बनाने का ठेका दे दिया है। माना जा रहा है कि ये ट्रेन 2026 में डिलीवर होंगी। उनकी रफ्तार 280 किमी प्रति घंटे होगी लेकिन उन्हें 249 किमी की रफ्तार से दौड़ाया जा सकता है।*

बजट से आशाः आ सकती हैं स्किल डिवेलपमेंट और कैश ट्रांसफर से जुड़ी कई योजनाएं

साल 2025 का बजट आने में अभी कुछ ही दिन बचे हैं। इस बीच खबर आने लगी है कि इस बार बजट का जोर महिला, दलितों और आदिवासियों पर रह सकता है। इनके लिए आगामी बजट में कुछ नई योजनाओं की घोषणा हो सकती है या उनका आवंटन बढ़ाया जा सकता है।

नई दिल्लीः *सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ सत्ता में आई मोदी सरकार का जोर दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर बढ़ रहा है। इसे देखते हुए आगामी बजट में इन वर्गों के लिए नई योजनाओं और आवंटन बढ़ाए जाने की उम्मीद की जा रही है। खासतौर से महिलाओं के स्किल डिवेलपमेंट और उनके लिए कैश बेनिफिट से जुड़ी योजना लाई जा सकती है।*

महिलाओं की बढ़ रही राजनीतिक अहमियत *पिछले कुछ चुनावों से महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक अहमियत के चलते कैश ट्रांसफर स्कीम्स पर जोर बढ़ा है। हालांकि, सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंत्रालयों ने जेंडर बजटिंग की प्रक्रिया से लगभग किनारा कर लिया है। प्री-बजट बातचीत में भी महिलाओं से जुड़ी जरूरतों के बारे में व्यापक विचार-विमर्श नहीं होता। उनका कहना है कि सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर जैसे रोगों से निपटने के लिए सरकारी योजना के जरिए मदद दी जानी चाहिए। साथ ही, कामकाजी महिलाओं के लिए सेविंग्स और आवास पर काफी ध्यान देने की जरूरत है।* ***सोशल सेक्टर*** *अपने दूसरे कार्यकाल में मोदी सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से एक-एक समुदाय के लिए कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजट तय किया था। इसे देखते हुए इस बार भी काफी उम्मीद की जा रही है। पिछले पांच साल में सामाजिक न्याय मंत्रालय का अनुमानित बजट लगभग ढाई हजार करोड़ बढ़ा है। साल 2020-21 में अनुमानित बजट 10517.62 करोड़ था, वह 2024-25 में बढ़कर 13000.2 करोड़ रुपये हो गया।* ***दिव्यांगों पर नजर*** *दिव्यांगों के लिए सुविधा बढ़ाने की बात करने वाली मोदी सरकार ने इस तबके को एक सम्मानजनक संबोधन देने के साथ बजट तो बढ़ाया, लेकिन पांच साल में थोड़ी ही बढ़ोतरी की। साल 2021-22 में दिव्यांग जनों का बजट 1171.17 करोड़ था। वह 2024 25 में बढ़कर 1225.27 करोड़ हो गया।* ***आदिवासियों का ध्यान*** *पिछले पांच साल में सरकार का सबसे ज्यादा जोर आदिवासी समुदाय पर रहा है। इस दौरान आदिवासी मामलों के मंत्रालय से जुड़ा बजट लगभग दोगुना हुआ है। साल 2021-22 में मंत्रालय का अनुमानित बजट 7524.87 करोड़ था। साल 2024-25 में बढ़कर 13000 करोड़ हो गया। एकलव्य मॉडल स्कूल की संख्या में विस्तार से लेकर देश में वन धन केंद्रों की संख्या में बढ़ोतरी की गई।* ***इसके बजट में हो गई कमी*** *बीते पांच साल के दौरान अल्पसंख्यकों से जुड़े मंत्रालय के बजट में कटौती देखी गई है। साल 2021-22 में इस मंत्रालय का अनुमानित बजट 4810.77 करोड़ था, जो साल 2024 25 में घटकर 3183.24 करोड़ रह गया। साल 2022-23 के आम बजट में इस मद में 5020.50 करोड़ रखे गए थे, जो अगले ही साल घटाकर 3097.60 करोड़ कर दिए गए।*

अब प्राइवेट कंपनियों को भी देनी होगी वैकेंसी की जानकारी! जान लीजिए क्या है सरकार का प्लान

सरकार एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंजेज (कंपलसरी नोटिफिकेशन ऑफ वैकेंसीज) एक्ट, 1959 की जगह नया सोशल सिक्योरिटी एक्ट लाने की योजना बना रही है। इसका मकसद वैकेंसीज के बारे में सूचना प्रसारित करने के लिए तंत्र को औपचारिक रूप देना है। इसका पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नई दिल्लीः *सरकार रोजगार के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाने की तैयारी में है। इसके तहत निजी कंपनियों के सभी विभागों में वैकेंसीज के बारे में अनिवार्य रूप से सरकार को जानकारी देनी होगी। यह एम्प्लॉमेंट रेगुलेशन में बदलाव का संकेत है। सरकार एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंजेज (कंपलसरी नोटिफिकेशन ऑफ वैकेंसीज) एक्ट, 1959 की जगह नया सोशल सिक्योरिटी एक्ट लाने की योजना बना रही है। इसका मकसद वैकेंसीज के बारे में सूचना प्रसारित करने के लिए तंत्र को औपचारिक रूप देना है। इसका पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार इसके लिए जुर्माना बढ़ाना चाहती है। पहले यह 100 रुपये हुआ करता था जिसे बढ़ाकर 50,000 रुपये तक किया जा सकता है। महाराष्ट्र के कौशल शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता राज्य मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा, 'हमारे पास रोजगार कार्यालय हैं, लेकिन वे निष्क्रिय हो गए हैं। कानून में बदलाव के साथ हम उन्हें रिवाइव और मजबूत करेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कंपनियां सरकार को वैकेंसीज के बारे में जानकारी दें।' लोढ़ा ने सोमवार को कहा कि 100-500 रुपये के मामूली जुर्माने ने कंपनियों को वैकेंसीज के बारे में जानकारी देने से हतोत्साहित किया है। लेकिन संशोधित कानून से यह पूरा मामला बदल जाएगा।* ***क्या होगा फायदा*** *अभी अधिकांश कंपनियां लिंक्डइन जैसे एम्प्लॉयमेंट ओरिएंटेड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी वैकेंसीज को पोस्ट करती हैं। अभी यह साफ नहीं है कि सरकार इस प्रयास को क्यों दोहराना चाहती है। अनुपालन को आसान बनाने के लिए महाराष्ट्र सरकार कंपनियों के लिए अपने रिक्तियों को सूचीबद्ध करने के लिए एक राज्य-विशिष्ट नौकरी पोर्टल विकसित करने की योजना बना रही है। मंत्री के अनुसार यह पहल महाराष्ट्र सरकार की एक व्यापक 100-दिवसीय कार्य योजना का हिस्सा है। सीआईआई के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सौगत रॉयचौधरी ने कहा कि रिक्तियों को अधिसूचित करने का प्रावधान पहले से ही है। यह नया प्रस्ताव हर राज्य में नौकरियों की संख्या को समझने में मदद करेगा। एक तरफ इंडस्ट्री को प्रतिभा की तलाश है और दूसरी तरफ बेरोजगारी बढ़ रही है। यह एक अच्छी पहल है। केंद्र प्लेसमेंट एजेंसियों को रेगुलेट करने के लिए एक निजी प्लेसमेंट अधिनियम का मसौदा भी तैयार कर रहा है। मिजोरम, छत्तीसगढ़ और असम जैसे राज्य पहले ही इस विधेयक के लिए इनपुट दे चुके हैं। महाराष्ट्र भी इसके लिए सबमिशन करने की योजना बना रहा है।*

आज Wipro और Tejas Networks समेत ये शेयर लगाएंगे दौड़, तेजी के संकेत

दलाल स्ट्रीट पर सोमवार को तेजी देखने को मिली थी। दोनों प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए थे। बंबई शेयर बाजार (BSE) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 454.11 अंक चढ़कर 77073.44 अंक पर पहुंचा था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 141.55 अंक की तेजी के साथ 23344.75 पर बंद हुआ था।

नई दिल्लीः स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को तेजी आई थी। बीएसई सेंसेक्स 454 अंक चढ़ा था। वहीं, एनएसई निफ्टी 23,300 अंक के ऊपर बंद हुआ था। वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख के बीच मुख्य रूप से बैंक शेयरों में तेजी से बाजार बढ़त में रहा था। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 454.11 अंक यानी 0.59 फीसदी उछलकर 77,073.44 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 699.61 अंक तक चढ़ गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 141.55 अंक यानी 0.61 फीसदी चढ़कर 23,344.75 अंक पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स के शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक नौ फीसदी से अधिक लाभ में रहा था। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और एशियन पेंट्स में भी प्रमुख रूप से तेजी रही थी। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में जोमैटो, अडानी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और टाटा मोटर्स शामिल थे।

इन शेयरों में दिख रही खरीदारी जिन शेयरों में मजबूत खरीदारी देखने को मिल रही है, उनमें Tata Teleservices, CreditAccess Grameen, Kotak Mahindra Bank, Vodafone Idea, Gujarat Ambuja Exports, Tejas Networks और Wipro शामिल हैं। इन शेयरों ने अपना 52 हफ्ते का उच्च स्तर पार कर लिया है। यह इन शेयरों में तेजी का संकेत देता है।

इन स्टॉक्स में मंदी के संकेत एमएसीडी (MACD) ने Swan Energy, BLS International Services, Sterling and Wilson Renewable Energy, Netweb Technologies India, PTC Industries, Supreme Industries और UNO Minda के शेयर में मंदी का संकेत दिया है। इसका मतलब है कि अब इन शेयरों में गिरावट शुरू हो गई है।

महिला किसानों ने खेत से ही बनाया धांसू नेटवर्क, पिला दिया बड़े-बड़ों को पानी, कमाई का क्या है फॉर्मूला?

नई दिल्लीः *देशभर की महिला किसानों ने मिलकर 'मिलेट सिस्टर्स नेटवर्क' बनाया है। यह नेटवर्क मिलेट्स (बाजरा) की खेती के जरिये महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बना रहा है। इस नेटवर्क की संस्थापक सरस्वती मल्लुवलासा हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश से इसकी शुरुआत की। नेटवर्क में लगभग 2,000 महिला किसान शामिल हैं। ये महिलाएं जलवायु परिवर्तन के बुरे प्रभावों से जूझते हुए मिलेट की खेती के जरिए नया जीवन ढूंढ रही हैं। उन्होंने 'मिलेट सीजन' की शुरुआत की है। यह नेटवर्क अब 15 राज्यों में फैल गया है। इसमें ओडिशा का 'निर्माण', डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी और तेलंगाना का 'पिलुपु' जैसे संगठन शामिल हैं। मिलेट सिस्टर्स नेटवर्क महिलाओं के लिए बेहतर दाम, सब्सिडी और महिला बैंक जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहा है। विशाखापत्तनम में उन्होंने एक पूरी तरह से महिला पंचायत भी स्थापित की है। इस नेटवर्क को CEEW ने सम्मानित किया है। आइए, यहां मलिट सस्टिर्स नेटवर्क की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। सरस्वती मल्लुवलासा ने महिलाओं से बातचीत के बाद यह नेटवर्क शुरू किया। उन्होंने पाया कि मलिट, बीज और पैसों पर पुरुषों का ज्यादा नियंत्रण होता है। सरकारी योजनाओं में भी महिलाओं को किसान के रूप में मान्यता नहीं मिलती। मल्लुवलासा और दूसरी महिलाएं घर-घर जाकर मिलेट्स के बारे में बात करने लगीं। इससे महिला किसानों को आय का एक जरिया और बेहतर पोषण मिला। साथ ही, इससे पर्यावरण को भी फायदा हुआ। मल्लुवलासा बताती हैं, 'जब हमने नेटवर्क शुरू किया, तब हम जलवायु परिवर्तन पर बात करते थे। लेकिन, अब हम इसके बुरे प्रभाव झेल रहे हैं। बारिश का मौसम लगभग गायब हो गया है। चक्रवातों के कारण बेमौसम बारिश होती है और बाकी समय सूखा पड़ता है।'*

15 राज्यों में फैला नेटवर्क इस समस्या से निपटने के लिए मिलेट सिस्टर्स ने 'मिलेट सीजन' की शुरुआत की। यह खरीफ और रबी के बाद का एक छोटा खेती का चक्र होता है। इससे वे मौसम की मार से बच जाती हैं और कुपोषण से भी लड़ पाती हैं। जब उन्हें इस तरीके से सफलता मिलने लगी तो मल्लुवलासा और दूसरी महिलाओं ने दूसरे राज्यों के किसानों और NGO से बात की। इस तरह उनका नेटवर्क आंध्र प्रदेश के बाहर भी फैल गया। आज मिलेट सिस्टर्स नेटवर्क में 15 राज्यों की छोटी महिला किसान शामिल हैं। ओडिशा का 'निर्माण', डेक्कन डेवलपमेंट सोसाइटी और तेलंगाना का 'पिलुपु' जैसे संगठन भी इसमें शामिल हैं।

चिंतन

क्लाइमेट चेंज से निपटने के प्रयासों को 'ट्रंप झटका'

सत्ता संभालते ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने फैसले से संदेश दे दिया है कि उनके कार्यकाल में विश्व के लिए अमेरिका की नीति क्या होगी? अमेरिकी संरक्षणवाद की राह पर चलते हुए प्रेसिडेंट ट्रंप ने सीमा सुरक्षा, आव्रजन, टिकटॉक समेत शपथ के बाद पहले ही दिन 20 से अधिक फैसलों पर मुहर लगाई। इनमें विश्व को प्रभावित करने वाले आव्रजन नीति, विश्व स्वास्थ्य संगठन व पेरिस करार से हटना अहम फैसले हैं। अमेरिका में विश्व के कोने-कोने से प्रोफेशनल्स काम करते हैं और उन्हें एचबी1 वीजा मिलता है, कुछ लोग ग्रीन कार्ड भी प्राप्त कर लेते हैं। ट्रंप प्रशासन नागरिकता के जन्मसिद्ध अधिकार को भी बदलने जा रहा है। इससे प्रवासियों के बच्चों के लिए नागरिकता की राह कठिन हो जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अमेरिका के हटने से दीर्घकाल में अमेरिका को ही नुकसान होगा। इस वैश्विक संगठन में चीन का दबदबा बढ़ेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर नियंत्रित करने वाले विश्व स्वास्थ्य संगठन में यूरोप व अमेरिका का दबदबा रहा है, अब चीन का दबदबा बढ़ने से संगठन के रूप में डब्ल्यूएचओ की स्थिति कमजोर होगी, उस पर भरोसे का संकट भी बढ़ेगा। चीन ने डब्ल्यूएचओ को अपना समर्थन जताया है तो डब्ल्यूएचओ ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि उम्मीद है कि अमेरिका अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगा। वैश्विक जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में डब्ल्यूएचओ वैश्विक स्वास्थ्य प्रशासन में केंद्रीय समन्वयक के रूप में काम करता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में अमेरिका वैश्विक दायित्व की भूमिका से दूर होता जाएगा। पांच साल से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब अमेरिका ने वैश्विक निकाय से हटने का आदेश दिया है। अपने पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप ने अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से बाहर करने का प्रयास किया था। अमेरिका 1948 में डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य था और तब से इस वैश्विक स्वास्थ्य इकाई और इसके कार्यकारी बोर्ड में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से 193 अन्य सदस्य देशों के साथ इसके कार्यों को आकार देने और संचालित करने में भाग लेता रहा है। ट्रंप के विश्व पर नकारात्मक प्रभाव वाले दूसरे फैसले पेरिस क्लाइमेट करार से अमेरिका का बाहर आना है। तापमान कम करने के लिए वर्ष 2015 में हुए पेरिस समझौते से हटने के अमेरिका के फैसले से जलवायु परिवर्तन रोधी वैश्विक प्रयास कमजोर होंगे और इसका सर्वाधिक खामियाजा विकासशील देशों को भुगतना पड़ेगा जिनकी वैश्विक उत्सर्जन में सबसे कम भूमिका है। अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश है। ईरान, लीबिया और यमन के साथ अब अमेरिका भी ऐसा देश बन गया है जो पेरिस वैश्विक जलवायु समझौते का हिस्सा नहीं है। संबंधित समझौते का उद्देश्य औद्योगिक क्रांति के बाद से वैश्विक तापमान (ग्लोबल वार्मिंग) वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखना है। पेरिस करार में भारत भी अहम भागीदार है। इस करार से स्वच्छ ऊर्जा के लिए वित्त पोषण में जिम्मेदार देशों को सहयोग करना है और प्रभावित विकासशील देशों को क्षतिपूर्ति मुआवजा देना है। अब ट्रंप प्रशासन के निर्णय का सर्वाधिक प्रभाव स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए वैश्विक वित्तपोषण पर दिखने की संभावना है। यह कदम वैश्विक जलवायु प्रयासों के लिए एक बड़ा झटका है व यह जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सामूहिक लड़ाई को कमजोर करेगा। अमेरिका को जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करना चाहिए।

ट्रम्प 2.0
नृपेन्द्र अभिषेक नृप

नीतियों और प्रभावों का नया अध्याय

डोनाल्ड ट्रम्प की अमेरिकी राजनीति में वापसी न केवल अमेरिका बल्कि पूरे विश्व के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। उनके पहले कार्यकाल ने अमेरिकी राजनीति, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति में गहरी छाप छोड़ी थी। 'अमेरिका फर्स्ट' के उनके नारे ने राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और संरक्षणवादी नीतियों को बढ़ावा दिया, लेकिन इसके साथ-साथ कई विवाद और विरोध भी जन्म लिए। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत उनके पहले कार्यकाल के विस्तार जैसी प्रतीत होती है, जिसमें उन्होंने ऊर्जा, प्रवास, सीमा सुरक्षा, सामाजिक संरचना, और अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित कठोर और विवादास्पद निर्णय लिए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल का प्रमुख बिंदु अमेरिकी ऊर्जा उत्पादन पर जोर देना है। उन्होंने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते हुए अलास्का और अन्य ऊर्जा-संपन्न क्षेत्रों में ऊर्जा विकास की गति तेज करने की घोषणा की है। इस नीति का उद्देश्य अमेरिका को न केवल ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना है।

यह नीति घरेलू अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन के लिए फायदेमंद हो सकती है। ऊर्जा निर्यात से अमेरिकी डॉलर को मजबूती मिलेगी। लेकिन पर्यावरणीय दृष्टिकोण से यह निर्णय गहरी चिंता उत्पन्न करता है। ऊर्जा उत्पादन बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि होगी, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को कमजोर करेगा। ट्रम्प का यह कदम पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर करने के उनके पहले कार्यकाल के फैसले के अनुरूप है। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में प्रवासी नीतियां उनके पहले कार्यकाल की तुलना में और अधिक कठोर हो गई हैं। उन्होंने सी.बी.पी. वन कार्यक्रम को समाप्त कर दिया है, जो प्रवासियों को अमेरिका में प्रवेश के लिए अपॉइंटमेंट लेने की सुविधा प्रदान करता था। इसके अलावा, उन्होंने मैक्सिको सीमा पर दीवार निर्माण को तेज करने और वहां सेना तैनात करने की घोषणा की है। यह नीतियां सुरक्षा प्राथमिकताओं को उजागर करती हैं, क्योंकि ट्रम्प के अनुसार, अवैध प्रवासी अमेरिकी संसाधनों पर दबाव डालते हैं और अपराध दर में वृद्धि करते हैं।

हालांकि, इस नीति का मानवीय पक्ष आलोचनात्मक बना हुआ है। पिछले कार्यकाल में 'फैमिली से परेशन पॉलिसी' के तहत बच्चों को उनके परिवारों से अलग करना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के विरोध का कारण बना था। ट्रम्प ने ट्रांसजेंडर नीतियों को समाप्त कर केवल पुरुष और महिला दो लिंगों को मान्यता देने की घोषणा की है। यह निर्णय उनके रूढ़िवादी दृष्टिकोण और पारंपरिक विचारधारा को दर्शाता है। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को समाज में स्वीकृति और अधिकार देने के प्रयासों को यह निर्णय कमजोर करता है। ग्रीन न्यू डील और इलेक्ट्रिक वाहनों की अनिवार्यता को रद करना ट्रम्प की पर्यावरणीय नीतियों में बदलाव को स्पष्ट करता है। उनका कहना है कि यह कदम अमेरिकी ऑटोमोबाइल उद्योग को बचाने के लिए आवश्यक है।

हालांकि, यह निर्णय पर्यावरणीय संकट को और बढ़ावा दे सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों और हरित ऊर्जा को प्रोत्साहन देना जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम

करने के लिए जरूरी है। ट्रम्प की यह नीति अमेरिका को हरित ऊर्जा क्रांति में पीछे धकेल सकती है। ड्रग माफियाओं को विदेशी आतंकवादी घोषित करने और विदेशी शत्रु अधिनियम 1978 लागू करने का निर्णय ट्रम्प प्रशासन की मादक पदार्थों के खिलाफ सख्ती को दर्शाता है। यह कदम अमेरिका में संगठित अपराध और मादक पदार्थों के बढ़ते उपयोग को नियंत्रित करने का प्रयास है। हालांकि, इस नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है। ट्रम्प ने पनामा नहर को वापस लेने और मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर 'अमेरिका की खाड़ी' रखने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम उनकी राष्ट्रवादी सोच और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर उनके आक्रामक दृष्टिकोण को उजागर करता है। हालांकि, व्यावहारिक दृष्टिकोण से इन प्रस्तावों का क्रियान्वयन कठिन हो सकता है। ट्रम्प की अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति उनके 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण के साथ मेल खाती है।

उन्होंने बाहरी देशों पर टैरिफ और कर लगाने की बात कही है, ताकि अमेरिकी नागरिकों पर कर का बोझ कम किया जा सके। हालांकि, यह नीति वैश्विक व्यापारिक संबंधों को प्रभावित कर सकती है। उच्च टैरिफ से अमेरिकी उपभोक्ताओं को अधिक कीमतें चुकानी पड़ सकती हैं और वैश्विक व्यापार में अस्थिरता बढ़ सकती है। डोनाल्ड ट्रम्प का दोबारा राष्ट्रपति बनना भारतीय राजनीति और विदेश नीति पर कई स्तरों पर प्रभाव डाल सकता है। भारत और अमेरिका के संबंध ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में व्यापार, रक्षा और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में मजबूत हुए थे। लेकिन उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने कुछ क्षेत्रों में तनाव भी पैदा किया था। ट्रम्प ने हमेशा अमेरिकी हितों को प्राथमिकता दी है, जो भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को चुनौतीपूर्ण बना सकता है। उनके कार्यकाल में भारत पर आयातित वस्तुओं, खासकर स्टील और एल्युमिनियम पर, ऊंचे टैरिफ लगाए गए थे। अगर ट्रम्प फिर से व्यापार युद्ध जैसी नीति अपनाते हैं, तो यह भारत की निर्यात क्षमता को प्रभावित कर सकता है। भारत-अमेरिका रक्षा संबंध ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में मजबूत हुए थे, विशेष रूप से भारत को उन्नत सैन्य उपकरणों की आपूर्ति के मामले में। चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए अमेरिका ने भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा दिया था। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में यह सहयोग और बढ़ सकता है, जिससे भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा में मदद मिलेगी। ट्रम्प का सख्त प्रवास नीति का रुख भारतीयों के लिए चुनौतियां बढ़ा सकता है। एच-1बी वीजा पर उनकी पहले की नीतियों ने भारतीय पेशेवरों को प्रभावित किया था। उनका पुनः राष्ट्रपति बनना इस नीति को और कठोर बना सकता है। ट्रम्प का चीन विरोधी रुख भारत के लिए कूटनीतिक अवसर ला सकता है।

भारत-अमेरिका संबंध मजबूत होने से क्षेत्रीय भू-राजनीतिक संतुलन भारत के पक्ष में झुक सकता है। हालांकि, ट्रम्प की अनिश्चित नीतियां भारत के लिए चुनौतियां भी पेश कर सकती हैं। डोनाल्ड ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल उनके पहले कार्यकाल की तरह नीतिगत कठोरता और विवादों से भरा हुआ प्रतीत होता है। उनके निर्णय अमेरिका को आंतरिक रूप से मजबूत बना सकते हैं, लेकिन ये सामाजिक समानता, पर्यावरण संरक्षण, और वैश्विक सहयोग के लिए चुनौतियां खड़ी करेंगे। उनके नेतृत्व में अमेरिका का 'अलगावावादी रुख' विश्व स्तर पर उथल-पुथल मचा सकता है। भारत और अन्य देशों के लिए ट्रम्प का नेतृत्व अवसर और चुनौतियों दोनों को प्रस्तुत करेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि ट्रम्प के इन फैसलों का दीर्घकालिक प्रभाव अमेरिका और विश्व राजनीति पर क्या पड़ता है।

विश्लेषण
सुरेश हिंदुस्तानी

रेवड़ियों पर केंद्रित हो रहा दिल्ली विस चुनाव

देश की राजधानी दिल्ली में चुनावी घमासान के बीच रेवड़ी बांटने की प्रतिस्पर्धा सी चलती दिखाई दे रही है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली राज्य की सत्ता तक पहुंचने का मार्ग केवल रेवड़ी ही है। दिल्ली राज्य के लिए होने वाले चुनाव में सभी राजनीतिक दल लोक लुभावन तरीके से अपने पिटारे से रेवड़ी बांटने की योजना जनता के बीच बता रहे हैं। इसके लिए आम आदमी पार्टी तो पहले से ही अपने पिटारे को खोलकर बैठी है। अब इसमें कांग्रेस और भाजपा भी अपने कदम उसी ओर बढ़ाने को प्रवृत हुई है, जिस ओर आम आदमी पार्टी जाती रही है। लेकिन एक तथ्य ध्यान देने योग्य माना जा सकता है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनावों से इस राह पर चल रही है। मुफ्त में देने के वादे करना एक प्रकार से आम आदमी पार्टी की फितरत ही बन गई है। इससे अलग अपेक्षा भी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित रहा है। इसलिए आप के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को यह पूरा विश्वास है कि इस बार भी बाजी उन्हीं के हाथ लगेगी। दिल्ली राज्य के लिए हो रहे चुनाव प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से जो स्वर मुखरित हो रहे हैं, उन स्वरों में केवल रेवड़ी की ध्वनि ही गुंजायमान हो रही है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली की जनता रेवड़ी लूटने की आदी हो चुकी है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना नायक चुनने के लिए किसकी रेवड़ी स्वार्थ की पूर्ति करने वाली है, यह ही देखा जाएगा। इस कवायद को लालच देकर वोट प्राप्त करने का एक माध्यम भी माना जा सकता है, क्योंकि जनता को मुफ्त में खजाना लुटाना किसी भी प्रकार से न्याय संगत नहीं माना जा सकता। इसका बोझ उस समाज पर आता है, जो योजना का लाभ लेने के पात्र नहीं होते। हालांकि सरकार द्वारा आम जनता का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन इसके लिए मुफ्त की योजना के अलावा अन्य तरीके अपनाए जाएं तो बेहतर होगा। नहीं तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि यही योजनाएं विकास की योजनाएं न होकर विनाशकारी मार्ग तैयार कर सकती हैं। दिल्ली में एक दशक पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच ही चुनावी लड़ाई होती रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में एक धूमकेतु की तरह अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी का गठन कर दिया और लोक लुभावने वादे करके आम जनता का छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके दिल्ली के सिंहासन को अपने कब्जे में ले लिया। इस चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला होने की झलक दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी ने अपने आपको फिर से मैदान में उतारा है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उसके नेता अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार करने का आरोप है। एक समय सुविधाओं को त्याग कर राजनीति करने की कसम खाने वाले केजरीवाल की जीवनशैली सुविधामय होती दिखाई दे रही है। शीशमहल के नाम से भाजपा द्वारा प्रचारित किए गए उनके आवास में लग्जरी सुविधाएं हैं। जो उनके कथन से कतई सरोकार नहीं रखती। ऐसे में यह कहना तर्कसंगत ही होगा कि इस बार केजरीवाल की राह उतनी आसान नहीं कही जा सकती, जो पहले थी। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी के समक्ष गंभीर चुनौतियां भी हैं। केजरीवाल जमानत पर बाहर हैं। वे दोष मुक्त नहीं हुए। उनका मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर प्रतिबन्ध उसी समय लगा दिया, जब वे मुख्यमंत्री थे। ऐसी स्थिति में केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे, इसकी गुंजाइश भी नहीं है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा बहुजन समाज पार्टी और औवेसी की पार्टी भी मैदान में है। यह दोनों राजनीतिक दल जितने प्रभावी होंगे, उसका खामियाजा आप आदमी पार्टी को ही भुगतना होगा। खैर, मूल विषय रेवड़ी का है। मुफ्त की रेवड़ी बांटना निश्चित ही इस बात की ओर संकेत करता है कि आज राजनीतिक दलों ने आम जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खोई है, इसीलिए चुनाव जीतने के लिए जनता को प्रलोभन देकर वोट कब्जाने की राजनीति की जा रही है। फिलहाल यही समझा जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है। प्रचार के लिए भाजपा के पास नेताओं की भारी भरकम फ़ौज है तो आम आदमी पार्टी के पास केवल केजरीवाल ही हैं। चुनावी प्रचार के माध्यम से भाजपा अपनी बात को नीचे तक पहुंचाने का प्रयास करेगी। कुल मिलाकर अब देखना यह है कि क्या इस बार भी रेवड़ी के सहारे ही दिल्ली की सरकार बनेगी।

मन को स्थिर रखना ही जीवन का सूत्र

संकलित
दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्र में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

क्या भोग लगाना पाखंड है?

संकलित
प्रेरणा

एक बार सन 1989 में मैंने सुबह टीवी खोला तो जगत गुरु शंकराचार्य कांची कामकोटि जी से प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम चल रहा था। एक व्यक्ति ने प्रश्न किया कि हम भगवान को भोग क्यों लगाते हैं। जगद्गुरु शंकराचार्य जी ने कहा यह समझने की बात है कि जब हम प्रभु को भोग लगाते हैं तो वह उसमें से क्या ग्रहण करते हैं। मान लीजिए कि आप लड्डू लेकर भगवान को भोग चढ़ाने मंदिर जा रहे हैं और रास्ते में आपका जानने वाला कोई मिलता है और पूछता है यह क्या है तब आप उसे बताते हैं कि यह लड्डू है। फिर वह पूछता है कि किसका है? तब आप कहते हैं कि यह मेरा है। फिर जब आप वही मिष्ठान्न प्रभु के श्री चरणों में रख कर उन्हें समर्पित कर देते हैं और उसे लेकर घर को चलते हैं तब फिर आपको जानने वाला कोई दूसरा मिलता है और वह पूछता है कि यह क्या है ? तब आप कहते हैं कि यह प्रसाद है फिर वह पूछता है कि किसका है तब आप कहते हैं कि यह हनुमान जी का है। अब समझने वाली बात यह है कि लड्डू वही है। उसके रंग रूप स्वाद परिमाण में कोई अंतर नहीं पड़ता है तो प्रभु ने उसमें से क्यों ग्रहण किया कि उसका नाम बदल गया। वास्तव में प्रभु ने मनुष्य के मम-कार को हर लिया। यह मेरा है का जो भाव था, अहंकार था प्रभु के चरणों में समर्पित करते ही उसका हरण हो गया। प्रभु को भोग लगाने से मनुष्य विनीत स्वभाव का बनता है शीलवान होता है। अहंकार रहित स्वच्छ और निर्मल चित्त मन का बनता है। इसलिए इसे पाखंड नहीं कहा जा सकता है।

सटाका

आज की पाती

बजट महंगाई से राहत दिलाने वाला हो

केंद्र सरकार जल्दी ही वर्ष 2025-26 का वित्तीय बजट पेश करने वाली है। बजट से हर वर्ग के लोगों को यह उम्मीद होती है कि उनके अच्छे दिन लाने के प्रावधान हों। करदाताओं को कर में छूट मिलने की और ज्यादातर लोगों को महंगाई से राहत मिलने की उम्मीद होती है। आम बजट से आमजन को उम्मीद होती है कि रोजमर्रा में प्रयोग होने वाली आम चीजें सस्ती हों, बजट महंगाई से राहत दिलाने वाला हो। बजट मुफ्तखोरी से दूर हो, शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार को बढ़ाने वाला हो। गरीब से गरीब को भी आधुनिक और उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने वाला आम बजट हो। स्वरोजगार को बढ़ावा मिले, साथ ही सरकार गांवों को भी स्मार्ट गांव बनाने का ख्याल बजट में रखे। *-मयंक दुबे, रायगढ़*

ट्रेंड

मणिपुर के लोगों को बधाई

मणिपुर के लोगों को उनके राज्यत्व दिवस पर शुभकामनाएं। भारत के विकास में मणिपुर के लोगों द्वारा निभाई गई भूमिका पर हमें अविश्वसनीय गर्व है। मणिपुर की प्रगति के लिए मेरी शुभकामनाएं।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भाजपा का अंतिम दौर

उत्तर प्रदेश में 'हिरासत में मौत' का सिलसिला थम नहीं रहा है। हालिया मामले में संभल में पूछताछ के नाम पर घर से ले गये व्यक्ति की हिरासत में मौत होने से जनाक्रोश भड़क उठा। अन्याय करने वाली भाजपा सरकार अब अपने अंतिम दौर में है।
-अखिलेश यादव, सपा सांसद

मां गंगा की गोद में

प्रयागराज आकर ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया की आस्था, सेवाभाव और संस्कृतियां यहीं मां गंगा की गोद में आकर समाहित हो गयी हैं। कुंभ की भव्यता और दिव्यता सजीव बनाए रखने वाले सभी साधु-संत, एवं श्रद्धालुओं की सेवा में तत्पर शासन-प्रशासन, को मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ।
-गौतम अडानी, उद्योगपति

दवा निर्यात में अग्रणी

भारत ने विश्व स्तर पर स्वयं को आवश्यक दवाओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित किया है। जेनेरिक दवाओं के विनिर्माण व निर्यात में भारत अपूरित चिकित्सा मांग की कमी को पूरा कर सकता है। **-किरण मजूमदार-शॉ, उद्यमी**

करंट अफेयर

नागरिकों की सुरक्षा के तरीकों में 'मौलिक परिवर्तन' जरूरी

ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा कि एक डांस क्लास में तीन लड़कियों की हत्या के मद्देनजर यह जरूरी हो गया है कि ब्रिटेन में नागरिकों की सुरक्षा के तरीके में 'मौलिक बदलाव' होना चाहिए। स्टॉर्मर ने कहा कि सरकार को उन 'कठिन सवालों' का भी जवाब देना होगा कि जुलाई में साउथपोर्ट के समुद्र तटीय शहर में तीन लड़कियों की चाकू मारकर हत्या करने से पहले हिंसा के प्रति जुनूनी नाबालिग को रोकने में अधिकारी कैसे विफल रहे। प्रधानमंत्री ने टेलीविजन पर एक बयान में कहा कि एक्सेल रुदाकुबाना के मामले में हुई लापरवाही का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गयी है। रुदाकुबाना ने अन्य आठ बच्चों, उनके प्रशिक्षक और एक राहगीर को घायल कर दिया था।

रुदाकुबाना (18) ने लिवरपूल क्राउन अदालत में मुकदमे के पहले दिन सोमवार को अपना दोष स्वीकार कर लिया और उसे बृहस्पतिवार को सजा सुनाई जाएगी। रुदाकुबाना के दोषी होने की दलील का मतलब है कि निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए जो विवरण जनता से छिपाए गए थे, अब उन्हें सामने लाया जा सकता है। इस विवरण में इस बात का भी जिक्र है कि रुदाकुबाना जब 13 और 14 वर्ष का था तो उसे सरकार के चरमपंथ रोधी कार्यक्रम में तीन बार भेजा गया था तथा वह कई राज्य एजेंसियों के संपर्क में था।

ऑफ बीट

भोजन और दवाएं बदल सकती हैं त्वचा का रंग

जब हांगकांग में 84 वर्षीय एक व्यक्ति बढ़े हुए प्रोस्टेट के साथ अस्पताल गया, तो डॉक्टर यह देखकर चौंक गए कि उसकी त्वचा - और यहाँ तक कि उसकी आँखों का सफेद भाग भी धूसर रंग का हो गया था।

ये मामले आर्गिरिया नामक स्थिति के उदाहरणों को दर्शाते हैं, जिसमें शरीर में चांदी के कण जमा हो जाते हैं। चांदी कभी अपने रोगाणुरोधी गुणों के कारण चिकित्सा उपचारों में मुख्य आधार थी। लेकिन आधुनिक साक्ष्य दर्शाते हैं कि बहुत अधिक मात्रा में इसके सेवन या अवशोषण से व्यक्ति की त्वचा में ऐसे परिवर्तन हो सकते हैं जो शायद ही कभी फीके पड़ते हैं। आर्गिरिया में, चांदी के आयन रक्तप्रवाह के माध्यम से प्रसारित होते हैं और त्वचा की ऊपरी सतह डर्मिस में समा जाते हैं। डर्मिस सतह के नीचे की एक परत है जहां शरीर उन्हें आसानी से साफ नहीं कर सकता है। यह वह परत है जिसमें टैटू पिगमेंट रहते हैं। इसी तरह की एक दुर्लभ घटना क्रिसियासिस है, जिसमें सोने का त्वचा में जमाव होता है। अतीत में पहले कभी सूजन संबंधी विकारों के लिए सोने पर आधारित उपचार किए जाते थे। कुछ मामलों में, इन उपचारों के बाद रोगियों में एक विशिष्ट भूरा या भूरा-बैंगनी रंग का विरंजन विकसित हुआ, जो आर्गिरिया की तरह, आसानी से ठीक नहीं किया जा सकता था।

मैक्सिको की खाड़ी और डेनाली का नाम बदल रहे ट्रंप, कर दिए आदेश पर हस्ताक्षर, क्या वाकई बदल पाएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मैक्सिको की खाड़ी और डेनाली का नाम बदलने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इन जगहों का नाम बदलने का इरादा उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में जता दिया था। कुछ दिन पहले मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलने के ट्रंप के प्रस्ताव पर कटाक्ष करते हुए जवाब दिया था।

वॉशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार (20 जनवरी) को वाशिंगटन में पद की शपथ ग्रहण करने के बाद अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि वह दो जगहों का नाम बदलने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि वह 'गल्फ ऑफ मैक्सिको' का नाम बदलकर 'गल्फ ऑफ अमेरिका' करेंगे और 'डेनाली' का नाम 'माउंट मैकिन्ले' कर देंगे। कुछ घंटे बाद उन्होंने नाम बदलने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी कर दिए। ट्रंप ने यह प्रस्ताव इस महीने की शुरुआत में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पहली बार रखा था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, गल्फ ऑफ मैक्सिको यानी मैक्सिको की खाड़ी को 400 से ज्यादा वर्षों से इसी नाम से जाना जाता है। इसका नाम मैक्सिको के नेटिव अमेरिकन सिटी से लिया गयाय है। अमेरिका में खाड़ी को अक्सर 'थर्ड कोस्ट' कहा जाता है क्योंकि इसके किनारे पांच दक्षिण-पूर्वी राज्यों में फैले हुए हैं, जबकि मैक्सिको इसे 'एल गोल्फो डे मैक्सिको' के नाम से पुकारता है। **मैक्सिको की खाड़ी का का नाम क्यों बदल रहे ट्रंप**? ट्रंप ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, "अमेरिका पृथ्वी पर सबसे महान, सबसे शक्तिशाली, सबसे सम्मानित राष्ट्र के रूप में अपना सही स्थान फिर से प्राप्त करेगा, जो पूरी दुनिया से तारीफ और प्रशंसा बटोरेगा... अब से कुछ ही समय बाद, हम मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी कर देंगे और हम एक महान राष्ट्रपति विलियम मैकिन्ले का नाम माउंट मैकिन्ले पर फिर स्थापित करेंगे, जहां इसे होना चाहिए।" **क्या ट्रंप गल्फ ऑफ मैक्सिको का नाम बदल सकते हैं**? इस संबंध में जॉर्जिया की प्रतिनिधि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने पहले ही अपना समर्थन जता चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि वह गल्फ ऑफ मैक्सिको नाम आधिकारिक रूप से बदलने के लिए कानून का मसौदा तैयार करेंगी, जिसमें अपडेट किए गए नक्शे और प्रशासनिक परिवर्तनों के लिए धन मुहैया कराना भी शामिल होगा। हालांकि, किसी जगह का नाम बदलना आसान नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, भले ही अमेरिकी सरकार एकतरफा तौर पर मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी कर दे, लेकिन ऐसा करने से दुनियाभर में इसका नाम बदलने की संभावना नहीं है। इदूसरे देशों को अमेरिका के फैसले का पालन करने की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाड़ी मैक्सिको की ओर बनी हुई है, अमेरिका की ओर नहीं।

मैक्सिको ने क्या कहा? मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने पहले मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलने के ट्रंप के प्रस्ताव पर कटाक्ष किया था और कहा था और जवाब में उत्तरी अमेरिका का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा था। एक प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने विश्व के मानचित्र के सामने खड़े होकर कहा था कि महाद्वीप को 'अमेरिका मेक्सिकाना' या 'मैक्सिकन अमेरिका' के नाम से जाना जाना चाहिए। उन्होंने 1814 के एक फाउंडिंग डॉक्यूमेंट का हवाला दिया था जिसमें गल्फ ऑफ मैक्सिको इस तरह से संदर्भित किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह दस्तावेज मैक्सिको के संविधान से पहले का है।

मुझे लगा था गाजा से मेरी लाश जाएगी... हमास की कैद से रिहा हुईं इजरायली महिला बंधकों ने पहली बार बताया खौफनाक अनुभव

तेल अवीवः *गाजा में युद्धविराम होने के बाद रविवार को तीन इजरायली महिला बंधक अपने देश लौटी हैं। गाजा में हमास के चंगुल से 471 दिनों बाद रिहा हुईं तीनों इजरायली महिलाओं ने देश लौटने के बाद अपनी आपबीती सुनाई है। 24 साल की रोमी गोनन, 28 वर्षीय एमिली डमारी और 31 वर्षीय डोरोन स्टीनब्रेचर ने बताया है कि 15 महीनों का ये वक्त उनके लिए कितना मुश्किल था और किस तरह के हालात में उनको गाजा में रहना पड़ा। महिलाओं ने कैद के दौरान हमास लड़ाकों के बर्ताव का भी खुलासा किया है। इस दौरान उनको कई बार कभी ना छूट पाने का डर लगता था तो कई बातें उनकी उम्मीदों भी देती थीं। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, 7 अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज रीम के पास सुपरनोवा रेव में हमले के बाद हमास ने 250 लोगों को किडनैप किया था। इनमें रोमी गोनन, एमिली दामारी और डोरोन स्टीनब्रेचर भी शामिल थीं। रिहाई के बाद इजरायल लौटीं महिलाओं ने बताया कि उन्हें कैद के दौरान गाजा में कई जगहों पर ले जाया गया। हमें ढूंढ़ा ना जा सके, इसलिए लगातार हमीरी जगह बदलती रहती थी। इनमें दक्षिण गाजा के 'मानवीय क्षेत्र' भी शामिल है।*

सुरंगों में गुजरा ज्यादातर वक्त

इजरायली बंधकों ने बताया है कि वे ज्यादातर समय जमीन के नीचे कैद में रहीं। कभी-कभी उन्हें टेलीविजन और रेडियो पर समाचार देखने-सुनने को मिलते थे। इनमें बंधकों की रिहाई के लिए सरकार से अपील करते हुए विरोध प्रदर्शन भी शामिल थे। ये हमारा हौसला बढ़ाता था कि हमारे लोग संघर्ष कर रहे हैं। हालांकि इन 15 महीनों में कई बार ऐसा भी हुआ कई दिनों तक सूरज की रोशनी देखने को नहीं मिली। ये वक्त हमें डिप्रेशन की तरफ धकेल देता था। कई बार ये ख्याल आता था कि शायद ही हम जिंदा लौट पाएंगे लेकिन फिर परिवार का ख्याल हौसला बढ़ाता था। स्टीनब्रेचर ने कहा कि मैं घर लौट आई हूं, इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरों को घर नहीं आना चाहिए। हमें बाकी बंधकों के लिए सड़कों पर उतरकर संघर्ष करना होगा। हमें इस समझौते के सभी चरणों को पूरा करना होगा। रिहा हुई बंधक एमिली के भाई टॉम दामारी ने गाजा में हमास से लड़ने वाले सैनिकों सैनिकों को धन्यवाद दिया। उनकी मां मैंडी दामारी, जो एक ब्रिटिश नागरिक हैं, ने बताया कि एमिली एक मजबूत लड़की है।

हमास ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में पुष्टि की कि युद्धविराम समझौते के तहत अगली बंधक रिहाई शनिवार, 25 जनवरी को होगी। इस समझौते के तहत 42 दिनों में कुल 33 बंधकों को रिहा किया जाना है। इसके बदले में लगभग 2,000 फ़िलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। माना जा रहा है कि 7 अक्टूबर को अगवा किए गए बंधकों में से 91 अभी भी गाजा में हैं।

हमास के इजरायली महिला बंधकों को दिए गिफ्ट बैग में-क्या था, हो गया खुलासा, जानें फिलिस्तीनी गुट का बड़ा प्लान

हमास के कसम ब्रिगेड ने रविवार को तीन इजरायली बंधकों को रिहा किया और इस दौरान का एक वीडियो जारी किया। हमास ने तीनों महिला बंधकों को उपहार भी दिए हैं। इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम के बाद गाजा में 15 महीनों से चल रही लड़ाई रुक गई है।

तेल अवीवः *गाजा में युद्धविराम लागू होने के बाद हमास ने तीन इजरायली महिला बंधकों, रोमी गोनन, डोरोन स्टाइनब्रेचर और एमिली डमारी को रिहा किया है। फिलिस्तानी गुट हमास के लड़ाके जब इन तीनों महिलाओं को गाजा शहर में रेड क्रॉस को सौंप रहे थे, तो इनको एक पैपर बैग सौंपा। हमास की सैन्य शाखा कसम ब्रिगेड के लॉगो वाले पेपर बैग को एक 'गिफ्ट बैग' कहा जा रहा है। तीनों इजरायली महिलाएं जब गाजा से रेड क्रॉस की कार में बैठीं तो उनके हाथों में यह बैग था।*

गाजा से लौटीं रोमी गोनन के परिवार के CNN को बताया कि हमास से मिले 'गिफ्ट बैग' में प्रमाण पत्र, एक नेकलेस और कुछ तस्वीरें थीं। उन्होंने ये भी बताया कि इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने इन गिफ्ट बैग को जांच के लिए जब्त कर लिया है। इजरायली मीडिया ने बताया है कि हमास ने इन महिलाओं के गाजा में गुजारे समय की तस्वीरों को दिखाया गया है। ***ये हमास की जीत दिखाने की कोशिश!*** *सीएनएन की रिपोर्ट कहती है कि 471 दिनों की कैद के बाद बंधक को गिफ्ट बैग देना अजीब है। ऐसा करने के पीछे हमास की कोशिश खुद को अपराजित और गंभीर गवर्निंग बॉडी के रूप में पेश करने की है। हमास ने संदेश दिया है कि इजरायल के भीषण हमलों के बावजूद मजबूती से खड़ा है। हमास ने अपने लोगों को भी ये बताया है कि वह एक वैध शासी निकाय हैं। हमास लड़ाकों ने सड़कों पर निकलकर 'जीत का जश्न' मनाते हुए भी इसी तरह का संदेश दिया है।*

एक्सपर्ट का कहना है कि हमास की ओर से इजरायली बंधकों को 'गिफ्ट बैग' देना उनकी प्रचार रणनीति है। हमास दिखाना चाहता है कि वह एक जिम्मेदार निकाय के तहत उसके अपने कानून हैं। इससे उसको फायदा भी हुआ है क्योंकि इस घटना ने इजरायल में युद्धविराम पर बहस छेड़ दी है। इजरायलियों ने चिंता जताई है कि हमास फिर से मजबूत हो रहा है, वह हमलों से कमजोर नहीं हुआ है। कई इजरायलियों को ये भी लग रहा है कि युद्धविराम उनकी हार की तरह है।

गाजा में हुआ है युद्धविराम *गाजा में इजरायल और हमास के बीच लंबी बातचीत के बाद युद्धविराम हुआ है। समझौते की शर्तों के हिसाब से हमास अगले छह सप्ताह में 33 इजरायली बंधकों को रिहा करेगा। इसके बदले में इजरायल की ओर से फिलिस्तीन के 2,000 कैदियों और बंदियों को अपनी जेलों से रिहा करेगा। समझौते के तहत एक इजरायल बंधक के बदले में 30 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा।*

ट्रंप की धमकी और पनामा के राष्ट्रपति का पलटवार, क्या है पनामा नहर का विवाद, अमेरिका क्यों वापस लेना चाहता है, चीन कनेक्शन जानें

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेने के तुरंत बाद एक ऐसा ऐलान कर दिया है, जिसने दुनिया का ध्यान खींचा है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका एक बार फिर से पनामा नहर का नियंत्रण हासिल करेगा। ट्रंप के बयान पर पनामा की सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

वॉशिंगटनः *डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ग्रहण के बाद पनामा नहर पर फिर से अमेरिकी नियंत्रण की घोषणा की है। ट्रंप का कहना है कि पनामा नहर के हस्तांतरण के संबंध में किए गए वादों को पूरा नहीं कर रहा है। हमने इसे नहर को पनामा को दिया था लेकिन ये अब चीन के प्रभाव में है। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका ने ये नहर 'बेवकूफी' में पनामा को दी थी। ऐसे में हम इसे वापस लेने जा रहे हैं। ट्रंप पहले भी इस तरह का बयान दे चुके है और इसके लिए सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। ट्रंप के बयान की सेंट्रल अमेरिकी देश पनामा की सरकार ने कड़ी आलोचना की है।*

अमेरिका ने 1900 के दशक की शुरुआत में इस नहर का निर्माण कराया था और 1914 में इसे खोल दिया गया था। इसके बाद कई दशकों तक अमेरिका का नहर पर नियंत्रण रहा और आसपास के क्षेत्र को भी उसने प्रशासित किया। साल 1977 में अमेरिका का नियंत्रण कम हुआ। साल 1977 में एक संधि के तहत इस नहर पर पनामा और अमेरिका का संयुक्त नियंत्रण हुआ। इसके बाद 1999 की संधि के तहत नहर पर पूरी तरह से पनामा का नियंत्रण हो गया। इस साल अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर नहर को पनामा को सौंप दिया।

पनामा नहर की अहमियत और विवाद *पनामा नहर की लंबाई 82 किलोमीटर है, जो अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। हर साल पनामा नहर से करीब 14 हजार पोतों की आवाजाही होती है। इनमें कंटेनर शिप के अलावा तेल, गैस और अन्य उत्पाद ले जाने वाले पोत शामिल हैं। पनामा की सरकार को इस नहर से हर साल एक अरब डॉलर से ज्यादा की ट्रांजिट फीस मिलती है। इस नहर का आर्थिक के साथ-साथ रणनीतिक महत्व भी है, जो खासतौर से ट्रंप का ध्यान खींच रहा है। पनामा में हालिया वर्षों में चीन का प्रभाव बढ़ा है। वैश्विक व्यापार में चीन के उभरने के बाद से उसके लिए पनामा नहर की अहमियत बढ़ गई है। यह नहर चीन से अमेरिका के पूर्वी तट को जोड़ती है। साल 2017 के बाद से पनामा और चीन में रिश्ते काफी प्रगाढ़ हुए हैं। इसी सील पनामा ने ताइवान से राजनयिक संबंध खत्म कर चीन से रिश्ते कायम किए थे। इसके बाद चीन ने पनामा में भारी निवेश किया और उसका अहम सहयोगी बन गया।*

शपथ ग्रहण में मेलानिया को किस करने बढ़े डोनाल्ड ट्रंप, तभी बीच में आया पत्नी का हैट, वीडियो हो रहा वायरल

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ ली तो इस दौरान कुछ ऐसा हो गया, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का सबब बन गया। शपथ ग्रहण से पहले जब ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया किस कर रहे थे तो अजीब एयर-किस का क्षण हुआ।

वॉशिंगटनः डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका का राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के दौरान एक अजीब वाकया हुआ, जब पद संभालने से ठीक पहले वह अपनी पत्नी मेलानिया को किस करने के लिए बढ़े। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मेलानिया ने बड़ा हैट लगाया हुआ था। ट्रंप ने जब किस करने की कोशिश की तो मेलानिया की ये टोपी आड़े आ गई। ऐसे में ट्रंप और मेलानिया 'एयर किस' ही कर सके। ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं। डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण में उनका पूरा परिवार शामिल होने पहुंचा था। उनकी पत्नी मेलानिया और बच्चे इवांका, डोनाल्ड जूनियर, एरिक, बैरन, टिफनी समारोह में शामिल हुए। इसी दौरान ये हुआ कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी पत्नी मेलानिया के पास गए। दोनों ने एक-दूसरे को किस करने के लिए चेहरा बढ़ाया लेकिन मेलानिया की बड़ी टोपी ने ट्रंप को किस नहीं करने दिया। कैपिटल रोटुंडा में हुए इस अजीबोगरीब वाकये के होने के बाद ट्रंप आगे बढ़ गए और मेलानिया भी मुस्कुरा दीं।

सोशल यूजर्स ने किए मजेदार कमेंट डोनाल्ड ट्रंप और मेलानिया के इस 'एयर किस' पर सोशल यूजर्स ने कई तरह की प्रतिक्रिया दी हैं। एक यूजर ने लिखा, 'मुझे लगता है कि मेलानिया ने इतनी बड़ी टोपी जानबूझकर पहनी थी ताकि ट्रंप उन्हें किस ना कर पाएं, वो एक होशियार महिला हैं।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'ट्रंप ने मेलानिया को किस करने की कोशिश में टोपी आड़े आ गई। किसी को भी इतनी बड़ी टोपी नहीं पहननी चाहिए। एक और यूजर ने लिखा कि टोपी की वजह से ट्रंप मेलानिया को गाल पर तो किस नहीं सके लेकिन उन्होंने एयर किस ही कर दिया। डोनाल्ड और मेलानिया के बीच इस तरह का अजीब वाकया पहली बार नहीं हुआ है। नवंबर में फ्लोरिडा में ट्रंप जब अपनी जीत के बाद भाषण दे रहे थे तो कुछ ऐसा ही हुआ था। ट्रंप ने तब मेलानिया को किस की तो उनकी पत्नी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गले लगाया। इसके बाद मेलानिया भी मुस्कुरा दीं। अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप ने ली शपथ अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यभार संभाला है। ट्रंप का ये दूसरा कार्यकाल है। कड़ाके की ठंड के कारण 40 सालों में पहली बार अमेरिका में शपथ ग्रहण समारोह कैपिटल रोटुंडा के अंदर आयोजित हुआ। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ ली।

दुनिया से खैरात मांग रहे पाकिस्तान की अब चीन ने की बेइज्जती! ग्वादर एयरपोर्ट पर खोली पोल, शहबाज मना रहे थे जश्न

इस्लामाबादः *कंगाल पाकिस्तान की अब उसके आयरन ब्रदर चीन ने ही बेइज्जती कर दी है। पाकिस्तान की सरकार ग्वादर में बनाए गए एयरपोर्ट पर गर्व कर रही थी और उसका जश्न मना रही थी। सोमवार को पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइंस का एक विमान इस एयरपोर्ट पर उतरा। यह पहला विमान था जो इस नए बनाए गए इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर उतरा है। पाकिस्तान के पीएम के शहबाज शरीफ ने इस एयरपोर्ट को चीन के साथ दोस्ती का प्रतीक बताया। इस बीच चीन के सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने शहबाज के इस दावे की पोल खोलकर रख दी। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि 23 करोड़ डॉलर की कीमत से बना यह एयरपोर्ट चीन का पाकिस्तान को एक 'दान' है। ग्लोबल टाइम्स के इस पोस्ट पर उसकी काफी आलोचना हो रही है। यूजर्स इसे चीन का कर्ज जाल बता रहे हैं। ग्लोबल टाइम्स ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, 'नया ग्वादर एयर पोर्ट चीन का एक दान है। इसे सोमवार को आधिकारिक रूप से शुरू कर दिय गया। इसकी पहली उड़ान PIA503 पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइंस की थी जो कराची से आई थी।' वहीं चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने कहा, 'पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा कि देश के बलूचिस्तान प्रांत में बना नया ग्वादर ग्वादर एयरपोर्ट चीन और पाकिस्तान के बीच मजबूत दोस्ती का शानदार उदाहरण है।'ग्लोबल टाइम्स ने शहबाज शरीफ के हवाले से कहा कि पाकिस्तान की सरकार और जनता इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट को बनाने पर चीन की सरकार की शुक्रगुजार है। ग्लोबल टाइम्स के एयरपोर्ट को 'दान' बताए जाने के बाद एक्स पर चीन की आलोचना शुरू हो गई।*

फिल्म 'देवा' के शूट हुए मल्टीपल क्लाइमैक्स...

नई दिल्ली। शाहिद कपूर की 'देवा' इस महीने के अंत में बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है। फिल्म के क्लाइमैक्स को लेकर इस समय बात चल रही है। खबरों की मानें तो इस फिल्म के कई क्लाइमैक्स शूट किए गए हैं, इसके बारे में टीम को भी जानकारी नहीं है। शाहिद कपूर फिल्म में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने जा रहे हैं। फिल्म के लिए कई क्लाइमेक्स सीन शूट किए गए थे और यहां तक कि कास्ट और क्रू को भी नहीं पता कि कौन सा वर्जन फाइनल कट में शामिल हुआ है। यह गोपनीयता न केवल दर्शकों के लिए बल्कि टीम के लिए भी रहस्य की एक अतिरिक्त परत सुनिश्चित करती है।'

लाइफ Style

रश्मिका

येसुबाई के लुक में नहीं जमीं

एजेंसी ⏭ मुंबई

साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के करियर का ग्राफ बॉलीवुड में तेजी से बढ़ा है। एनिमल और गुडबाय जैसी फिल्मों के जरिए रश्मिका ने खुद को साबित किया है और अब उनके पास ऑफर्स की कोई कमी नहीं है। चाहे अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा-2' हो, या फिर 'मिशन मजनू' रश्मिका ने इंडस्ट्री को कई हिट्स दीं।

अब वह जल्द ही विकी कौशल की अपकमिंग फिल्म 'छावा' में महारानी येसुबाई का किरदार निभाती नजर आएंगी। लेकिन, दर्शकों ने शिवाजी के किरदार में जहां विकी कौशल को बेशुमार प्यार दिया, वहीं येसुबाई के किरदार में रश्मिका मंदाना को खास तारीफें नहीं मिलीं। हाल ही में जारी किए गए छावा के इस नए पोस्टर में रश्मिका मंदाना माथे पर बड़ी सी गोल बिंदी, आंखों में काजल, भारी हार और सुंदर नथ पहने नजर आ रही हैं। सिर पर पल्लू लिए रश्मिका मंदाना का यह लुक दर्शकों के बीच कुछ खास पसंद नहीं किया गया। कमेंट सेक्शन में लोगों ने रश्मिका के लुक पर सवाल उठाए और कहा कि उन्हें इस फिल्म के लिए मिसकास्ट किया गया है। यानी दर्शकों के मुताबिक इस किरदार के लिए किसी और एक्ट्रेस को कास्ट किया जाना ज्यादा ठीक फैसला होता। रेडिट पर एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'वो दिन गए जब वो किसी किरदार के लिए लुक टेस्ट किया करते थे। वह इस किरदार में जम नहीं रही है और मुझे नहीं लगता है कि वह मराठी एक्सेंट ठीक से पकड़ पाएंगी। जाहिर तौर पर उनकी कास्टिंग गलत हुई है।' वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'गलत कास्टिंग हुई है।

हॉलीवुड मसाला

मुंबई की सड़कों पर घूमते दिखे

मुंबई। 'कोल्डप्ले' सिंगर क्रिस मार्टिन इस वक्त अपने मुंबई वाले कॉन्सर्ट को लेकर हिन्दुस्तानियों के दिलों पर राज कर रहे हैं। इस इवेंट से पहले क्रिस अपनी गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस डकोटा जॉनसन के साथ मुंबई की सड़कों पर घूमते दिखे। मजेदार ये है कि हाथों में हाथ डाले ये दोनों घूमते रहे और भीड़ में से शायद ही किसी ने इन्हें पहचाना हो। जिस 'कोल्डप्ले' बैंड के लिए इस वक्त मुंबई के सारे लोग दीवाने हुए जा रहे हैं, उसी के लीड सिंगर वहां पब्लिक के बीच घूमते-फिरते दिखे।

टेलर स्विफ्ट करेंगी जीत की शादी में परफॉर्म..!

लॉस एंजिल्स। पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट पहली बार भारत में परफॉर्म कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि वे गौतम अडानी के बेटे जीत अडानी के प्री-वेडिंग फंक्शन में शामिल होंगी। पिछले साल मार्च 2023 में जीत अडानी ने दीवा जैमिन शाह के साथ सगाई की थी और अब इनकी शादी की चर्चा शुरू है। पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट को लेकर खबर आ रही है कि वो पहली बार भारत में परफॉर्म कर सकती हैं। कहा जा रहा है कि टेलर स्विफ्ट देश के नामचीन बिजनेसमैन गौतम अडानी के बेटे जीत अडानी के प्री-वेडिंग फंक्शन में परफॉर्म करने आ सकती हैं और इसके लिए उनसे बातचीत चल रही है। हालांकि, इसे लेकर अब तक कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं है।

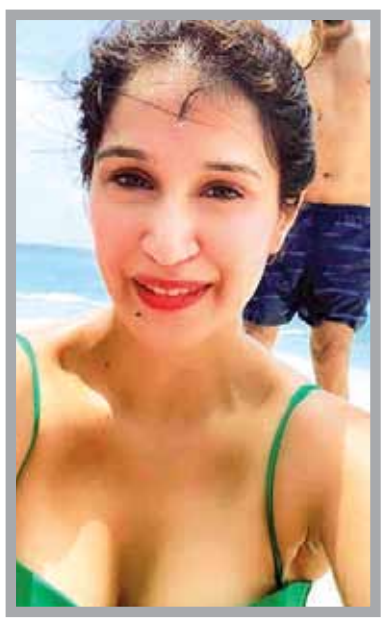

सागरिका फिर करेंगी फिल्मों में वापसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान की पत्नी सागरिका घाटगे जल्द ही फिल्मों में वापसी कर रही हैं, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया हैंडल पर जारी की है। फिल्म का नाम है ललाट। अभिनेत्री सागरिका घाटगे ने हाल ही में अपनी नई फिल्म ललाट का ऐलान किया है, जिसके सेट से कई तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ ही सागरिका ने एक इमोशनल नोट भी लिखा है। दरअसल, सागरिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आगामी हिंदी फिल्म 'ललाट' से अपना लुक शेयर किया है। तस्वीर में वह एक पारंपरिक परिधान में नजर आ रही हैं। सागरिका की नई फिल्म 'ललाट' की घोषणा के बाद से ही उनके फैंस बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

32 साल बाद लौट रही एनीमेशन रामायण

नई दिल्ली। रामायणः द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम 1993 की एक एनिमेशन फिल्म है, जो जापान और भारत द्वारा सह-निर्मित है। युगो साको द्वारा निर्मित और निर्देशित यह फिल्म भारतीय महाकाव्य रामायण पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन कोइची सासाकी और राम मोहन ने किया था, जिसमें वनराज भाटिया ने संगीत दिया था। यह फिल्म अब सिनेमाघरों में वापस आ रही है। 1993 की जापानी-भारतीय एनीमे क्लासिक 24 जनवरी को पूरे भारत में बड़े पर्दे पर आएगी। यह फिल्म भारत में पहली बार 24वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव इफ्फी में दिखाई गई थी। इसे 1993 के वैंकूवर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भी दिखाया गया था। इसके बाद, 1990 के दशक के अंत में एक हिंदी डब संस्करण जारी किया गया था।

टीवी मसाला

केबीसी के पहले करोड़पति की हुई घर वापसी, शो में बना नॉस्टैल्जिक माहौल

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन होस्टेड रियलिटी टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के फैंस को मेकर्स ने एक प्यारा सा सरप्राइज दिया। शो में पहले करोड़पति बने हर्षवर्धन नवाठे ने सालों बाद इस सेट पर वापसी की और खुद भी पुरानी यादों में खो गए। उनका शो पर आना सिर्फ एक नॉस्टैल्जिया भर नहीं था, बल्कि उन्होंने 'ज्ञान का रजत महोत्सव' सेलिब्रेशन का आगाज भी किया। यह सेगमेंट केबीसी के 25वें साल का आगाज करने और इस क्विज शो को सेलिब्रेट करने के नाम है। एक ऐसा प्लेटफॉर्म जिसने ना जाने कितने ही लोगों की जिंदगियां बदल दीं। करोड़ों दिलों पर राज करने वाले इस शो का मेकर्स ने वो वीडियो रिलीज किया है जिसमें हर्षवर्धन नवाठे अपने दिल की बात साझा करते नजर आ रहे हैं। केबीसी के पहले करोड़पति हर्षवर्धन ने अपने इमोशन्स साझा करते हुए कहा, 'घर वापसी की जो फीलिंग होती है, वो है। पच्चीस साल बहुत लंबा पीरियड होता है। 25 साल के बाद यहां आकर मुझे बहुत ज्यादा खुशी हो रही है। केबीसी ने मुझे बहुत नाम दिया है। पैसा तो मिला ही, बहुत तारीफें मिलीं और बहुत लोगों का प्यार मिला।' नवाठे ने बताया कि लोग आज भी उन्हें केबीसी की वजह से पहचानते हैं। नवाठे ने बताया कि यह करीब-करीब उनके नाम के साथ जुड़ गया है कि वह केबीसी का हिस्सा रहे थे और यहां आकर उन्होंने करोड़पति बनने का सफर तय किया। सीजन 1 के विजेता रहे हर्षवर्धन ने नई पीढ़ी को भी पढ़ते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी में पढ़ने की आदत बहुत कम होती जा रही है, लेकिन पढ़कर आप केबीसी जीतने का मौका तो पा ही सकते हैं, लेकिन साथ ही साथ अपने आप को बेहतर इंसान भी बनाते हैं।

रोजलिन ने हिना पर लगाया कैंसर से जुड़ी गलत जानकारी शेयर करने का आरोप...

नई दिल्ली। स्टेज 4 कैंसर सर्वाइवर रोजलिन खान ने हिना खान पर उनकी कैंसर से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हिना सहानुभूति और ध्यान आकर्षित करने के लिए इस तरह की बातें कर रही हैं। टीवी की पॉपुलर हिना खान स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस लगातार अपनी कैंसर जर्नी और इलाज की प्रक्रिया को फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। कैंसर जैसी मुश्किल घड़ी में उनकी इस हिम्मत की फैंस और सेलेब्स तारीफ कर चुके हैं। सोशल मीडिया के कमेंट्स सेक्शन में उन्हे लोग कमेंट कर प्रोत्साहित करते देखे गए हैं। हाल में एक्ट्रेस ने बताया था कि उनकी सर्जरी में 15 घंटे का लंबा समय लग गया था। अब हिना के इन दावों को एक्ट्रेस और ब्रैस्ट कैंसर सर्वाइवर रोजलिन खान ने गलत बताया है।

वीर ने स्काईफोर्स के लिए ली जान्हवी से सलाह...

नई दिल्ली। अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'स्काईफोर्स' में वीर पहाड़िया बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। वीर अपने इंडस्ट्री के दोस्तों और 'करीब परिवार' जान्हवी कपूर से टिप्स लेते रहते हैं। उन्होंने इस बारे में अब खुलकर बात की है। उभरते हुए अभिनेता ने अपने भाई की गर्लफ्रेंड से टिप्स लेने की बात स्वीकार की और कहा 'मैं उनसे कोई भी सलाह मांगने का मौका नहीं छोड़ता।' उन्होंने कहा, मेरे सभी दोस्त अभिनेता हैं, मैं उनसे कोई भी सलाह लेने का मौका नहीं छोड़ता। और वह काफी अनुभवी हैं। तो हां, मैंने तो कई सारी चीजों को लेकर बात की है। अपनी आगामी फिल्म 'स्काईफोर्स' को लेकर वीर पहाड़िया ने बात की है। उन्होंने कहा कि फिल्म गुंजन सक्सेना में भी जान्हवी ने एक कारगिल गर्ल का किरदार निभाया है, ठीक वैसे ही आगामी एक्शन फिल्म निभाने जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने जान्हवी कपूर से सलाह ली थी। वीर पहाड़िया कहते हैं, 'मैं फाइटर प्लेन के कॉकपिट में बैठा था, मेरा चेहरा पूरी तरह से कवर था। उस वक्त मुझे अज्जामद बोपय्या देवय्या जी के साहस, जुनून का अहसास हुआ।

भारत की पहली करोड़पति सिंगर, पर्सनल ट्रेन से करती थीं ट्रैवल, लता-मोहम्मद रफी से भी ज्यादा ली फीस...

नई दिल्ली। इंडियन सिनेमा में कई दिग्गज सिंगर्स रहे हैं और आज भी टैलेंटेड सिंगर्स का कमाल जारी है। आज सिंगिंग इंडस्ट्री में कई पॉपुलर और अमीर सिंगर्स हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब कुछ सौ रुपए भी बहुत बड़ा अमाउंट माना जाता था, उस समय भी एक सिंगर थीं जो सिर्फ अपनी रिकॉर्डिंग्स के जरिए करोड़पति थीं। यहां बात हो रही है भारत की पहली सिंगिंग सुपरस्टार की जिनका नाम है गौहर और इन्हें ग्रामोफोन गर्ल भी कहा जाता है।

कौन थीं गौहर : गौहर का नाम पहले एंजेलिना था और उनके पिता रोबर्ट विलियम थे,जो कि इंजीनियर थे और मां विक्टोरिया। जब गौहर 6 साल की थीं, तब उनके पैरेंट्स का रिश्ता खत्म हो गया था। गौहर की मां ने फिर मुस्लिम शख्स से शादी की जिनका नाम खुरशीद था। विक्टोरिया ने फिर इस्लाम धर्म अपना लिया और उनका नाम मलका जान हो गया और एंजेलिना का गौहर जान। मलका जान पॉपुलर सिंगर बन गई थीं और उन्होंने गौहर को भी सिंगिंग सिखाई। 1888 में गौहर ने अपनी पहली परफॉर्मेंस दी। उन्हें पहली डांसिंग गर्ल भी कहा जाता था।

सबसे ज्यादा पैसे लेती थीं गौहर : 90 के दशक के शुरुआत में गौहर भारत की पॉपुलर सिंगर बन गई थीं और उनकी पॉपुलैरिटी को और चार चांद तब लगे जब वह ग्रामोफोन में अपनी आवाज रिकॉर्ड करने लगीं। गौहर एक रिकॉर्डिंग के हजार से 3 हजार लेती थीं जो कि उस समय काफी बड़ा अमाउंट था। वहीं, कई दशकों बाद जब लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी पॉपुलर हुए थे, वे हर गाने के 500 रुपए लेते थे।

लग्जरी लाइफ जीती थीं बिना डर के : बेंगलोर मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक एक टाइम पर गौहर इतनी अमीर हो गई थीं कि वह घोड़े की बग्गी में शहर घूमती थीं जो कि भारत में उस समय काफी लग्जरी माना जाता था। वह भले ही 1000 रुपए फाइन देती थीं सरकार के रूल तोड़ने पर, लेकिन कभी अपनी शाम की राइड नहीं मिस करती थीं। बंगाल में उनके एक संरक्षक ने तो उन्हें एक प्राइवेट ट्रेन भी उपहार में दी थी, जिसका इस्तेमाल वह पूरे भारत में ट्रैवल करने के लिए करती थीं। 1911 में उन्हें दिल्ली दरबार में किंग जॉर्ज पंचम के राज्याभिषेक में परफॉर्म के लिए आमंत्रित किया गया था, यह सम्मान केवल एक अन्य गायिका इलाहाबाद की जानकीबाई को दिया गया था। इस समय कई रिपोर्ट्स में उन्हें करोड़पति कहा गया है।

आखिरी दिन : अपने आखिरी दिनों में गौहर मैसूर शिफ्ट हो गई थीं। वह डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं। 56 की उम्र में उन्होंने 1930 में इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। उस वक्त उनके पैसों पर कई लोग हक मांगने आए, लेकिन बाद में पता चला कि गौहर ने अपनी कमाई के सारे पैसे उड़ाए और कुछ भी छोड़कर नहीं गई थीं।

गीता बाली बहुत कम उम्र में इस दुनिया को कह गईं अलविदा

'रंगीन रातें' के सेट पर परवान चढ़ा गीता बाली-शम्मी कपूर का प्यार

नई दिल्ली। अपने दौर की दिग्गज अदाकारा गीता बाली की 21 जनवरी को पुण्यतिथि थी। अपने कमाल अभिनय और खूबसूरती के बूते उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। मगर, अभिनेत्री बहुत कम उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह गईं। साल 1965 में 21 जनवरी को गीता बाली इस दुनिया को छोड़ गईं। मगर, उनकी फिल्में और जिंदगी के किस्से आज भी हैं। अभिनेत्री ने कपूर खानदान के चिराग शम्मी कपूर से शादी रचाई और कपूर खानदान की बहू बनीं।

इस फिल्म के सेट पर पनपी मोहब्बत

1930 में बंटवारे से पूर्व पंजाब में पाकिस्तान के सरगोधा शहर में जन्मीं गीता बाली 'बदनामी', 'बावरे नैन' 'आनंद मठ' और 'जब से तुम्हें देखा है' जैसी फिल्मों में नजर आईं। निजी जिंदगी की बात करें तो गीता बाली की मुलाकात केदार शर्मा की फिल्म 'रंगीन रातें' के सेट पर शम्मी कपूर से हुई। गीता बाली उन दिनों हिंदी सिनेमा में अपने पैर जमा चुकी थीं, जबकि कपूर खानदान से ताल्लुक रखने के बावजूद शम्मी कपूर संघर्ष के दौर से गुजर रहे थे। गीता बाली की सिफारिश पर ही शम्मी कपूर को यह फिल्म मिली थी। यहीं से दोनों की मोहब्बत पनपी।

प्यार में मिट गया उम्र का बंधन

कहा जाता है कि आउटडोर शूटिंग पर रानीखेत गयी 'रंगीन रातें' की टीम और निर्देशक केदार शर्मा की तीखी नजरों के बीच शुरू हुआ मुलाकातों का सिलसिला टीम की मुंबई वापसी तक पूरा परवान चढ़ चुका था। मुंबई पहुंचने पर दोनों शादी का फैसला कर चुके थे। लेकिन, यह राह इतनी आसान नहीं थी। शम्मी कपूर उम्र में गीता बाली से छोटे थे। मगर, प्यार में उम्र का बंधन मिट चुका था। शम्मी कपूर भले ही गीता बाली के साथ जीने-मरने की कसम खा चुके थे, लेकिन उन्हें भी यह पता था कि परिवार से रजामंदी मिलना आसान नहीं है।

जॉनी वॉकर ने दिया सुझाव

शम्मी कपूर एक तो गीता बाली से उम्र में छोटे थे, दूसरा उस वक्त तक उनका करियर भी खास परवान न चढ़ा था। इसके अलावा गीता 'बावरे नैन' में शम्मी के बड़े भाई राजकपूर और 'आनंदमठ' में पिता पृथ्वीराज कपूर की हिरोइन भी रह चुकी थीं। शम्मी कपूर एक अजीब उलझन में थे, तब शम्मी कपूर के जिगरी यार जॉनी वॉकर ने उन्हें सलाह दी कि वह भागकर गीता बाली से शादी रचा लें। शम्मी कपूर को जॉनी वॉकर की बात कुछ जम गई। गीता बाली को हालांकि जॉनी वॉकर का यह सुझाव खास पसंद नहीं आया था, लेकिन शम्मी कपूर की जिद के आगे उनकी नहीं चल सकी। बहरहाल, वो तैयार हो गईं।

आधी रात को पहुंचे मंदिर, लिपस्टिक से मांग भर रचाई शादी

23 अगस्त 1955 की आधी रात को शम्मी कपूर, जॉनी वॉकर, और हरिवालिया के साथ मुंबई स्थित वानगंगा मंदिर में गीता के साथ विवाह बंधन में बंधने के लिए पहुंच गए। शम्मी कपूर जब मंदिर पहुंचे तो मंदिर के दरवाजे बंद हो चुके थे। इसलिए पुजारी ने उनकी शादी कराने से इंकार कर दिया। शम्मी की जिद और हालात को देखते हुए पुजारी ने उन्हें सुबह आने की सलाह दी और भरोसा दिलाया की मंदिर के कपाट खुलते ही शादी कराई जाएगी। सुबह चार बजे शम्मी मंदिर के सामने हाजिर थे। सभी रस्मों-रिवाज पूरे होने के बाद जब पुजारी ने उन्हें दुल्हन की मांग में सिंदूर भरने को कहा तब उन्हें ध्यान आया कि जल्दबाजी में वह सिंदूर लाना भूल ही गए। तब गीता बाली ने अपनी लिपस्टिक शम्मी के हाथों में थमा दी। इस तरह सिंदूर की जगह लिपस्टिक लगाकर शम्मी कपूर ने गीता को अपना बना लिया। गीता और शम्मी का साथ ज्यादा दिनों तक नहीं रह सका। 1965 में चेचक की बीमारी के चलते गीता बाली का निधन हो गया।

गजब जीत! सिर्फ 17 गेंदों में 10 विकेट से रौंद दिया, U19 टी20 विश्व कप में भारत की बेटियों ने रचा इतिहास

भारतीय महिला अंडर-19 टीम ने टी20 विश्व कप में इतिहास रच दिया है। उसने पहले मलेशिया को 14.3 ओवरों में 31 रनों पर ढेर किया। इसके बाद 32 रनों का लक्ष्य 2.5 ओवरों में हासिल कर लिया, हैट्रिक लेने वाली वैष्णवी शर्मा ने 5 रन देकर 5 विकेट झटके।

कुआलालंपुरः आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 के एक मुकाबले में भारत ने कमाल कर दिया। उसने मलेशिया को न केवल सिर्फ 17 गेंदों में धूल चटा दी, बल्कि उसकी स्टार गेंदबाज वैष्णवी ने कमाल करते हुए हैट्रिक सहित 5 रन देकर 5 विकेट झटके। वह अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय हैं। मलेशिया की पूरी टीम 31 रनों पर ढेर हो गई थी, जबकि भारत ने 2.5 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही वह ग्रुप-ए में लगातार दो जीत के साथ पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया है। इससे पहले उसने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया था। कुआलालंपुर के बयूमास ओवल मैदान पर पहले बैटिंग करते हुए मलेशिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ओवर में जो उसे पहला झटका लगा तो देखते ही देखते 14.3 ओवरों में उसकी पूरी पारी खत्म हो गई। भारत की स्टार लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने कातिलाना गेंदबाजी करते हुए 14वें ओवर में लगातार 3 विकेट निकालते हुए हैट्रिक पूरी की। उन्होंने 14वें ओवर की दूसरी गेंद पर नूर ऐन बिंती रोशलान, तीसरी गेंद पर नूर इस्मा दानिया, चौथी गेंद पर सिति नजवा को आउट किया। वैष्णवी ने 4 ओवर में एक मेडन फेंकते हुए 5 रन देकर 5 विकेट झटके। उनकी साथी गेंदबाज आयुषी शुक्ला ने 3.3 ओवरों में एक मेडन रखते हुए 8 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। इस तरह विपक्षी टीम 31 रनों पर ढेर हुई। रोचक बात यह है कि 31 रनों में 11 रन अतिरिक्त थे। 32 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को कोई परेशानी नहीं हुई। उसने 2.5 ओवरों में ही बिना कोई विकेट गिरे जीत हासिल कर लिया। गोंगाडी तृषा ने 12 गेंदों में 5 चौके ठोके और 27 रन बनाकर नाबाद रहीं। दूसरे छोर पर जी कमिलनी ने 5 गेंदों में एक चौका की मदद से नाबाद 4 रन बनाए। भारत का टूर्नामेंट अगला मुकाबला श्रीलंका से 23 जनवरी को है। इस तरह से वह आसानी से सुपर-6 में पहुंचते दिख रहा है।

4 ओवर 5 रन 5 विकेट... कौन हैं भारत की स्पिन सनसनी वैष्णवी शर्मा, U19 WC में हैट्रिक लेकर रचा इतिहास

अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप 2025 में भारत के लिए वैष्णवी शर्मा ने मलेशिया के खिलाफ शानदार हैट्रिक हासिल की। महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप में भारत के लिए हैट्रिक लेने वाली ये पहली खिलाड़ी बनी हैं। ऐसे में आइए जानत हैं कौन हैं भारत की यह स्टार खिलाड़ी।

नई दिल्लीः अंडर-19 विश्व कप 2025 में भारत के लिए वैष्णवी शर्मा ने अपनी शानदार गेंदबाजी से धमाल मचा दिया। मलेशिया के खिलाफ मैच में वैष्णवी अपनी स्पिन गेंदबाजी से कुल पांच बल्लेबाजों का शिकार किया। इस दौरान वैष्णवी ने हैट्रिक विकेट हासिल किया। वैष्णवी भारत की पहली महिला क्रिकेटर भी हैं जिन्होंने अंडर-19 विश्व कप प्रतियोगिता में हैट्रिक लिया है।

वैष्णवी ने मुकाबले में टीम इंडिया के लिए कुल चार ओवर की गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने 1.25 की इकॉनमी रेट से सिर्फ 5 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। वैष्णवी का एक ओवर मेडल भी रहा। वैष्णवी ने पारी के 14वें ओवर में हैट्रिक हासिल सनसनी मचा दी। ऐसे में आइए जानते हैं कौन हैं वैष्णवी शर्मा। **कौन हैं भारत की स्पिन सनसनी वैष्णवी शर्मा** अंडर-19 विश्व कप में अपनी दमदार गेंदबाजी धूम मचाने वाली वैष्णवी शर्मा मध्यप्रदेश के ग्वालियर की रहने वाली हैं। वैष्णवी का घर ग्वालियर के चंबल क्षेत्र मे है। चंबल इलाके से आने वाली वैष्णवी भारत की एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं। वैष्णवी को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। ऐसे में उनके पिता नरेंद्र शर्मा ने अपनी बेटी को सफल बनाने के लिए दिन-रात एक कर दिया। वैष्णवी के पिता पेशे से ज्योतिष हैं। चंबल के इलाके में चुकी ट्रेनिंग के लिए उस तरह की व्यवस्था नहीं थी जैसा की वैष्णवी को जरूरत थी। ऐसे में उनके पिता ने उन्हें ग्वालियर स्थित तानसेन क्रिकेट एकेडमी लेकर आए। एकेडमी ने अच्छी ट्रेनिंग और प्रैक्टिस से वैष्णवी ने सिर्फ 9 साल की उम्र में इंटर स्कूल अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाना शुरू कर दिया था।

भारत के लिए अंडर-19 विश्व कप में कमाल दिखाने वाली वैष्णवी शर्मा को इस सफलता के लिए लंबा सफर तय करना पड़ा। वैष्णवी ने को 9 साल की उम्र में पहचान मिलना शुरू हुआ जब वे मध्यप्रदेश के लिए अलग-अलग डिविजन में खेलना शुरू किया था। लगातार अपनी ऑलराउंड स्किल से सबको प्रभावित करने के बाद वैष्णवी को 2017 में मध्य प्रदेश अंडर-16 टीम का कप्तान बनाया गया। सिर्फ इतना ही नहीं, वैष्णवी भारत की अंडर-19 टीम की कैप्टन रह चुकी हैं। 2022 में वैष्णवी ने घरेलू क्रिकेट में देश मे सबसे ज्यादा विकेट हासिल किए, जिसके चलते उन्हें बीसीसीआई ने 2022-23 का जूनियर विमेंस क्रिकेट में डालमिया अवार्ड से सम्मानित किया था। हालांकि, वैष्णवी फिलहाल टी20 विश्व कप में भारत की कप्तान नहीं हैं, लेकिन वह अपनी दमदार खेल से धूम मचा रही हैं। शादी करने से पहले हर किसी की चाहत होती है कि जिंदगी में एक रोमांटिक और 'हैप्पिली एवर आफ्टर' रिलेशनशिप है। ऐसे में जब आपका पार्टनर सेम प्रोफेशन में होता है, तो आपकी बॉन्डिंग और ज्यादा मजबूत हो सकती है।

जाति क्या क्या है, उम्र क्या है? नीरज चोपड़ा की दुल्हनियां हिमानी मोर के बारे में गूगल पर सर्च की गईं ये 10 बातें

भारत के गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने हाल ही में हिमानी मोर से शादी कर ली। देसी बॉय नीरज लोगों के बीच जितना मशहूर हैं हिमानी मोर नाम उतना ही अंजान। यही वजह है कि शादी की खबर आते ही हर कोई नीरज की वाइफ हिमानी मोर के बारे में तरह-तरह की बातें गूगल कर रहा था।

नई दिल्लीः भारत में एक तबका है, जो विराट कोहली का दीवाना है तो दूसरा रोहित शर्मा का। महान सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी के चाहने वालों की भी लंबी फेहरिस्त है। हालांकि, ये वो खिलाड़ी हैं, जिनकी समय-समय पर आलोचना भी होती रही है, लेकिन नीरज चोपड़ा संभव है कि इकलौते ऐसे स्पोर्ट्स स्टार हैं, जिनकी आलोचना करने के बारे में शायद ही कोई सोचे। इस आर्मी के जवान के चाहने वाले न केवल भारत में हैं, बल्कि दुनिया के हर कोने में हैं। उनका वीडियो देखकर युवा फिटनेस से लेकर खेल तक की तैयारी करते हैं। उनकी फैन लिस्ट में लड़कियों की संख्या भी खूब है। हालांकि, उनकी शादी की खबर से कइयों को दिल चकनाचूर हो गया होगा।

दो ओलंपिक मेडल जीत चुके इस जेवलिन थ्रोअर ने अचानक ही रात में अपनी शादी का ऐलान कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पेज एक्स और इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह आज से हिमानी मोर के हुए। यह खबर हर किसी के लिए सरप्राइज की तरह थी। बीच में उनका नाम भारतीय स्टार शूटर मनु भाकर से जोड़ा गया हालांकि, दोनों ही पक्षों ने इससे इनकार किया। शर्मीले स्वभाव के नीरज अक्सर ही शादी वाले सवाल पर कन्नी काट जाते थे, लेकिन जब उन्होंने 7 फेरे लिए तो खुलेआम अपने प्यार का इजहार किया। नीरज के ऐलान के बाद हर कोई हिमानी मोर के बारे में जानने को बेसब्र दिखाई दिया। सोशल मीडिया पर सवाल का जवाब नहीं मिलते देख लोगों ने दुनिया का सबसे ज्ञानी सर्च इंजन 'गूगल' बाबा का रुख किया। यहां हिमानी के बारे में जो बातें ढूंढी गईं वो हैरान करने वाली थीं। कोई हिमानी मोर की तस्वीर देखने की चाहत रखता था तो कोई उनके पिता के बारे में जानकारी चाहता था। लोगों ने नीरज चोपड़ा की वाइफ हिमानी मोर की जाति के बारे में भी सर्च किया।

नीरज की वाइफ हिमानी मोर के बारे में महत्वपूर्ण बातें

नीरज की वाइफ हिमानी मोर 25 साल की हैं। वह सोनीपत की एक टेनिस खिलाड़ी हैं, जो लिटिल एंजेल्स स्कूल से पढ़ी हैं। मोर वर्तमान में न्यू हैम्पशायर में फ्रैंकलिन पियर्स विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स मैनेजमेंट (मेजर) में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने दिल्ली के मिरांडा हाउस में भी पढ़ाई की, जहां उन्होंने राजनीति विज्ञान और शारीरिक शिक्षा में स्नातक की डिग्री पूरी की। उनका एक भाई हिमांशु भी है, जो एक टेनिस खिलाड़ी है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के बाद ताइपे में 2017 विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भाग लिया। उनकी स्कूल वेबसाइट का कहना है कि उन्होंने 2016 में मलेशिया में आयोजित विश्व जूनियर टेनिस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

150 kmph की गेंद फेस किया... आलोचकों पर बुरी तरह बिफरे श्रेयस अय्यर, निकाली अपनी दिल की भड़ास

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी श्रेयस अय्यर की घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन के बाद नेशनल टीम में वापसी हुई है। अय्यर टीम इंडिया के लिए इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के अलावा चैंपियंस ट्रॉफी में भी खेलेंगे। इसके साथ ही उन्होंने शॉर्ट बॉल पर भी खुलकर अपनी कही।

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी श्रेयस अय्यर की एक बार फिर से नेशनल टीम में वापसी हुई है। घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन के बाद अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल किया गया है। इससे पहले खराब फॉर्म और शॉर्ट बॉल पर विकेट गंवाने की कमजोरी के कारण उन्हें टीम से अपनी जगह को गंवानी पड़ी थी, लेकिन इसके बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपने फॉर्म को हासिल कर वापसी करने में सफल रहे। बता दें कि अय्यर को शॉर्ट बॉल पर अक्सर परेशान हुए देखा गया है। इसी को लेकर अय्यर ने अब अपनी दिल की बात कही और आलोचकों को करारा जवाब दिया। इंडियन एक्सप्रेस के आइडिया एक्सचेंज कार्यक्रम में अय्यर ने अपनी फॉर्म और शॉर्ट बॉल की कमजोरी जैसी समस्याओं पर खुलकर अपनी बात रखी। महीने तक नहीं खाई बिरयानी, सुबह 6 बजे ग्राउंड पर, वापसी के लिए मोहम्मद शमी क्या-क्या नहीं किया शॉर्ट बॉल पर विकेट गंवाने के लिए उनकी आलोचना करने वालों पर श्रेयस अय्यर ने कहा, 'यह बहुत ही इरिटेटिंग होता है जब आपको सलाह देते हैं कि उन्हें कैसे खेलना है, जिन्होंने कभी 150 kmph की गेंद कभी खेली भी नहीं है, लेकिन मैं ये कहना चाहूंगा कि ये उनका मत होता है। उनको अधिकार है कि अपनी बात को रखें, लेकिन वे आपस में बात करें ना की सीधे किसी खिलाड़ी को टारगेट करने लगे।' हालांकि, अय्यर घरेलू क्रिकेट में दमदार खेल से भारतीय टीम में वापसी कर चुके हैं और उम्मीद है कि वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी वनडे विश्व कप 2023 में जैसा ही धमाल मचाए। वनडे विश्व कप 2023 में अय्यर ने 11 पारियों में 530 रन बनाए थे। खास तौर से न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में उनके शतक की चर्चा सालों तक होगी। सेमीफाइनल के अलावा अय्यर ने लीग स्टेज में श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ भी दमदार अर्धशतकीय पारी खेली थी।

सूर्या का वार और संजू करेंगे प्रहार, पहले टी20 में भारत के प्लेइंग XI में हो सकते हैं ये 11 सूरमा

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज की शुरुआत 22 जनवरी से हो रही है। सीरीज का पहला मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। ऐसे में आइए जानते हैं पहले टी20 मैच के लिए इंग्लैंड के खिलाफ क्या हो सकती है भारतीय टीम का प्लेइंग इलेवन।

कोलकाताः भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज के पहला मुकाबला कोलकाता के ईडन-गार्डन्स में खेला जाएगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारतीय टीम की कोशिश होगी कि वह जीत के साथ सीरीज में आगाज करें। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले कुछ खिलाड़ियों के लिए यह सीरीज काफी अहम होने वाली है, क्योंकि टी20 सीरीज में खेलने वाले कुछ प्लेयर्स चैंपियंस ट्रॉफी का भी हिस्सा हैं। इंग्लैंड के खिलाफ इस टी20 मुकाबले में भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन की बात करें तो टॉप ऑर्डर बल्लेबाजी में मामला पूरी तरह से फिट दिख रहा है, लेकिन मध्यक्रम में कप्तान सूर्यकुमार यादव को माथापच्ची करना पड़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं पहले टी20 मैच के लिए कैसी होगी सकती है प्लेइंग इलेवन। भारतीय टीम के प्लेइंग इलेवन की बात करें तो विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ओपनिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके अलावा तीसरे नंबर पर धुआंधार बैटिंग करने वाले तिलक वर्मा का मैदान पर उतरना तय है। तिलक का हालिया फॉर्म इस इस नंबर पर शानदार रहा है। ऐसे में टॉप के तीन पोजीशन के लिए संजू, अभिषेक और तिलक वर्मा के लिए पूरी तरह से फिक्स अगर इनमें कोई चोटिल नहीं होता है तो। वहीं चौथे नंबर सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। इसके अलावा पांचवें नंबर के लिए रिंकू सिंह की जगह भी तय मानी जा रही है जबकि हार्दिक पांड्या छठे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। सातवें स्थान पर स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। वहीं स्क्वाड में नीतीश कुमार का भी नाम शामिल है। नीतीश का हालिया फॉर्म जबरदस्त रहा है। इस कारण उनका खेलना भी लगभग तय है। इसके अलावा निचले क्रम की बात की जाए बॉलिंग में मोहम्मद शमी के साथ अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती को स्पिनर के रूप में प्लेइंग इलेवन में देखा जाएगा। संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अक्षर पटेल, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

टीम इंडिया की जर्सी पर नहीं लिखा होगा पाकिस्तान, BCCI के इस फैसले से पीसीबी को लगी मिर्ची

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम का पहला मुकाबला बांग्लादेश के साथ 20 फरवरी को है। टूर्नामेंट की शुरुआत पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से 19 फरवरी को होगा। इससे पहले अब भारतीय टीम की जर्सी को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है, जिससे एक बार फिर से बवाल मच सकता है।

नई दिल्लीः आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर एक बार फिर से नया बवाल शुरू हो गया है। लंबे समय तक मेजबानी को लेकर चली बहस के बाद अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय टीम पर नया आरोप लगाया है। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। इसके साथ ही टीम इंडिया की जर्सी पर पाकिस्तान प्रिंट नहीं होगा। इसी को लेकर पीबीसी अब नाराजगी जता रहा है। इससे पहले पीसीबी हाइब्रिड मॉडल पर टूर्नामेंट नहीं कराने की जिद् पर अड़ा हुआ था, लेकिन बाद में भारतीय टीम के सभी मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जाने पर राजी हुआ। एक अधिकारी ने आईएएनएस से बात करते हुए बीसीसीआई पर आरोप लगाया है कि वह क्रिकेट के बीच में राजनीति को ला रहा है। इसके साथ ही बीसीसीआई भारतीय टीम की जर्सी पर पाकिस्तान प्रिंट नहीं कराएगा। पीसीबी की नाराजगी सिर्फ जर्सी पर नाम को लेकर ही नहीं है बल्कि बीसीसीआई ने टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले कैप्टन मीट के लिए रोहित शर्मा को पाकिस्तान भेजने से इंकार कर दिया है। इस वजह से भी पीसीबी के अधिकारी बीसीसीआई से नाराजगी जता रहे हैं। पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा, बीसीसीआई क्रिकेट में राजनीति को ला रहा है जो कि खेल के लिए ठीक नहीं है। बीसीसीआई ने अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से मना किया। वे अपने कप्तान को भी ओपनिंग सेरेमनी के लिए पाकिस्तान नहीं देंगे और अब जो रिपोर्ट सामने आ रही है कि जर्सी पर पाकिस्तान प्रिंट नहीं होगा। हम आईसीसी के सर्वोच्च संस्था आईसीसी से उम्मीद रखते हैं वह ऐसा नहीं होने देंगे और पाकिस्तान का सपोर्ट करेंगे।' बता दें कि आईसीसी इवेंट जिस देश को मेजबानी मिलती है उस देश का नाम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीम की जर्सी पर प्रिंट पर होता है। इसी वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड भारतीय टीम की जर्सी पर होस्ट नेशन का नाम चाहती है, जिसके कारण अब एक नया बवाल शुरू हुआ है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 एवं 1272 खलखुटवा टावू रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर किनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय का नं .851-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670